राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 236 | जौनपुर | बुधवार, 16 अप्रैल 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

हीट बेब को लेकर कोल्ड रुम का किया निरीक्षण

अयोध्या।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोहावल में संबंधित अधीक्षक के साथ जिला मलेरिया अधिकारी/ जिला सर्विलांस अधिकारी मंजुला आनंद,जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट डाक्टर अरविन्द श्रीवास्तव,मलेरिया निरीक्षक के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर बनाए गए कोल्ड रूम का निरीक्षण किया गया।इस मौको पर उन्होंने आशा संगिनी के साथ बैठक किया। बैठक मे इन अधिकारियो ने संचारी दस्तक अभियान के साथ सही हीट वेव से संबंधित संवेदीकरण किया गया। साथ ही साथ दस्तक अभियान के अंतर्गत ग्राम मोइया कपूर पुर में आशा द्वारा किए गए डोर टू डोर सर्वे का निरीक्षण किया गया। इस दौरान संबंधित ग्राम की आशा बहू भी साथ में उपस्थिति रही।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेशी घुसपैठियों की भूमिका को लेकर एक्शन में गृह मंत्रालय

बंगाल, (एजेंसी)। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के तीन सीमावर्ती क्षेत्रों में हाल ही में हुई हिंसा पर चिंता जताई और एहतियात के तौर पर अतिरिक्त अर्धसैनिक बलों को तैनात किया है। हिंसा की प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि बांग्लादेशी उपद्रवियों की संलिप्तता है, जिन्हें कथित तौर पर स्थानीय टीएमसी नेताओं का समर्थन प्राप्त है, जिन्होंने बाद में इन तत्वों पर नियंत्रण खो दिया। हिंसा के कारण हिंदू परिवार विस्थापित हो गए, जिससे कई लोग मालदा भाग गए, जिससे नए सिरे से घुसपैठ और सांप्रदायिक अशांति की आशंका पैदा हो गई। सूत्रों ने बताया कि केंद्र ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से जान–माल की सुरक्षा में विफलता, रेलवे संपत्तियों पर हमले और हिंसा के शुरुआती चरणों के दौरान पुलिस की निष्क्रियता के बारे में स्पष्टीकरण मांगा है। इस बीच, भाजपा नेताओं ने टीएमसी सरकार पर एसएससी भर्ती घोटाले से ध्यान हटाने के लिए वक्फ विधेयक पर सांप्रदायिक तनाव पैदा करने का आरोप लगाया है, जिसने 26,000 से अधिक उम्मीदवारों की नौकरियों को खतरे में डाल दिया है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि हिंसा टीएमसी शासन के तहत हिंदुओं की गहरी असुरक्षा को उजागर करती है। वहीं, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया और लोगों को शांति बहाल करने तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया।

मंदिरों में ताकत होती तो गोरी–गजनवी जैसे लुटेरे नहीं आते

नई दिल्ली, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के विधायक इंद्रजीत सरोज ने अपने उस बयान का बचाव किया जिसमें उन्होंने मुहम्मद गौरी जैसे ऐतिहासिक आक्रमणों के दौरान भारतीय देवी–देवताओं की भूमिका पर सवाल उठाया था। एएनआई से बात करते हुए सरोज ने कहा कि देश के देवी–देवताओं को आक्रमणकारियों को श्राप देकर राख में बदल देना चाहिए था। समाजवादी पार्टी के विधायक ने कहा कि हमारे देवी–देवता इतने शक्तिशाली नहीं थे। 712 ई. में मुहम्मद बिन कासिम अरब से इस देश में आया और देश को लूटा। मुहम्मद गौरी इस देश को लूटने आया था। तो इस देश के देवी–देवताओं ने क्या किया? इंद्रजीत सरोज ने आगे कहा कि देवी–देवताओं को मुसलमानों को श्राप देना चाहिए था। वे राख हो जाते, मर जाते और अंधे हो जाते। इसका मतलब है कि कुछ कमी है और हमारे देवी–देवता इतने शक्तिशाली नहीं हैं। सरोज ने सोमवार को उत्तर प्रदेश में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि अगर भारत के मंदिरों में शक्ति होती ।

उत्तर प्रदेश कोई गरीब वंचित नहीं रहेगा - सीएम योगी

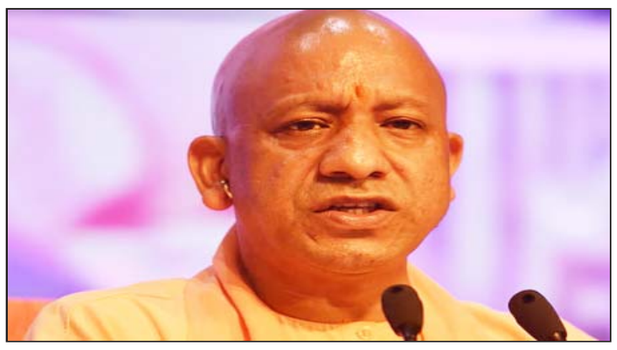

लखनऊ , (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की 134वीं जयंती पर आंबेडकर महासभा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने घोषणा की कि प्रदेश में जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम अब बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम से जाना जाएगा। यह कार्यक्रम इसी महीने आगे बढ़ाने जा रहे हैं। सीएम ने कहा कि यूपी देश का पहला राज्य है, जो जीरो पॉवर्टी के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कदम बढ़ाएगा। पहले चरण में 14–15 लाख परिवारों को जोड़ेंगे। हर ग्राम पंचायत में 20–25 ऐसे परिवार होंगे, जिन्हें बहुत सारी सुविधाएं नहीं मिली होंगी। डबल इंजन सरकार उन्हें वह सुविधा उपलब्ध कराएगी। सीएम ने आगे कहा कि यह योजना इसलिए बाबा साहब के नाम पर जानी जाएगी, क्योंकि देश में शैक्षणिक, सामाजिक व आर्थिक रूप से उन्नत करने का दर्शन उन्होंने ही दिया था। वंचितों–दलितों को अधिकार दिलाना ही बाबा साहब के संकल्प को पूरा करना है। भारत का संविधान आज भी प्रत्येक नागरिक को जोड़ने की सामर्थ्य रखता है। पिछले आठ वर्ष में मुसहर, थारू, वनटांगिया, कोल, बुक्सा, चेरो, गोड़ और सहरिया जातियों को पूरी तरह से सभी योजनाओं का लाभ दे दिया गया है।

मनमाने ढंग से वक्फ संपत्ति घोषित नहीं की जाएगी कोई भी जमीन– रिजिजू

कोच्चि, (एजेंसी)। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को वक्फ अधिनियम में संशोधन करने के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अधिनियम में संशोधन मुस्लिम समुदाय को लक्षित करने के लिए नहीं किया गया है, बल्कि इसका उद्देश्य पिछली गलतियों में सुधार करना है। रिजिजू का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब विभिन्न मुस्लिम संगठन कानून में संशोधन करने को लेकर विरोध कर रहे हैं और पश्चिम बंगाल में हिंसक हो गए हैं। रिजिजू ने कोच्चि में एक प्रेस वार्ता की। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और राज्य भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर भी मौजूद रहे। पत्रकारों को संबोधित करते हुए रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार का इरादा साफ है। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि भारत में किसी की जमीन को ₹जबरन और एकतरफा₹ छीनने का कोई प्रावधान न हो। रिजिजू ने आगे कहा कि वक्फ कानून में संशोधन इसलिए किया गया, क्योंकि इसके कुछ प्रावधानों ने ₹वक्फ बोर्डों₹ को अभूतपूर्व शक्ति और अधिकार₹ दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ अधिनियम में संशोधन के बाद किसी भी भूमि को मनमाने तरीके से वक्फ संपत्ति घोषित नहीं किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि वक्फ कानून मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नहीं है। यह अतीत की गलतियों को सुधारने के लिए है। बता दें कि लोकसभा और राज्यसभा में मैराथन मंथन के बाद, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पांच अप्रैल की रात को वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को अपनी मंजूरी दे दी। इस कानून को सरकार ने आठ अप्रैल को अधिसूचना जारी कर लागू कर दिया। सत्तारूढ़ एनडीए ने इसे अल्पसंख्यकों के लिए लाभकारी बताया है। वहीं, विपक्ष ने इस कानून को मुस्लिम विरोधी बताया है।

राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि केस में फिर टली सुनवाई

बहराइच, (एजेंसी)। यूपी के सुल्तानपुर में राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज मामले में मंगलवार को सुनवाई नहीं हो सकी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस सांसद के खिलाफ मानहानि केस दर्ज है।मामले में गवाह के बीमार होने से सुनवाई टल गई। एमपी–एमएलए की विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने परिवादी के अधिवक्ता की मौका अर्जी स्वीकार कर मामले में अगली सुनवाई के लिए 28 अप्रैल की तिथि तय कर दी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व रायबरेली सांसद राहुल गांधी पर वर्ष 2018 में तत्कालीन बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। इसके विरोध में हनुमानगंज निवासी जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन व बीजेपी नेता विजय मिश्रा ने चार अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का परिवाद कोर्ट में दायर किया था। मंगलवार को मामले में गवाह से जिरह होनी थी, लेकिन परिवादी के अधिवक्ता ने गवाह के बीमार होने के कारण अर्जी देकर मौका देने की मांग की। कोर्ट ने मौका अर्जी स्वीकार कर अगली सुनवाई के लिए 28 अप्रैल की तिथि तय कर दी है।

शीर्ष अदालत का इलाहाबाद हाईकोर्ट की लड़की ने मुसीबत को न्योता दिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दुष्कर्म के मामलों में इलाहाबाद हाईकोर्ट की हालिया आपत्तिजनक टिप्पणियों पर सख्त रुख अपनाया। कोर्ट ने कहा कि ऐसी टिप्पणियां नहीं की जानी चाहिए थीं। ऐसा कहा ही क्यों गया? शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के हाल के एक आदेश पर दुख जताया, जिसमें कोर्ट ने एक छात्रा से दुष्कर्म के आरोपी को जमानत दे दी और कहा कि महिला ने खुद ही मुसीबत को न्योता दिया। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने कहा, ₹अब एक अन्य न्यायाधीश ने एक और आदेश दिया है। जमानत दी जा सकती है... लेकिन, यह कैसी बात हुई कि उसने खुद ही मुसीबत को आमंत्रित किया? ऐसी बातें कहते समय सावधानी बरतनी चाहिए। खासकर न्यायाधीशों को।₹ सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक अन्य आदेश के खिलाफ स्वतरू संज्ञान मामले की सुनवाई के दौरान आई। इसमें कहा गया था कि सिर्फ छाती पकड़ने और सलवार का नाड़ा खींचने को दुष्कर्म नहीं माना जा सकता। शीर्ष अदालत ने पहले ही इस विवादास्पद आदेश पर रोक लगा दी थी। दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल को दुष्कर्म के आरोपी को जमानत देते हुए कहा था कि दोनों पक्ष बालिग हैं और पीड़िता एक शिक्षित युवती है। ऐसे में उन्हें अपने फैसलों के कानूनी व नैतिक परिणाम समझने चाहिए थे। यदि पीड़ित के आरोप सही मान भी लें तो यह कहा जा सकता है कि उसने स्वयं परेशानी को आमंत्रित किया है। वह खुद घटना के लिए जिम्मेदार है। यह टिप्पणी करते हुए न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की एकल पीठ ने निश्चल चांडक की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली थी। कोर्ट ने कहा था कि पीड़िता ने स्वयं एफआईआर स्वीकार किया है कि वह स्वेच्छा से दिल्ली के एक बार में अपनी तीन महिला मित्रों के साथ गई, जहां उसने शराब पी और वह नशे में आ गई। बार में वह सुबह 3 बजे तक रुकी रही। इस दौरान आरोपी ने उसे अपने घर चलने को कहा। नशे की हालत में सहारे की आवश्यकता होने पर वह उसके साथ जाने को तैयार हो गई। रास्ते में आरोपी उसे एक फ्लैट ले गया और घटना को अंजाम दिया। इससे पहले 17 मार्च को एक अन्य मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा था कि पीड़िता को छूने या कपड़े उतारने की कोशिश को दुष्कर्म का प्रयास नहीं माना जा सकता। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की कोर्ट ने कासगंज के आरोपियों के खिलाफ ट्रायल कोर्ट से जारी सम्मन को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने यौन हमले की धाराओं के तहत पुनरू आदेश पारित करने का आदेश दिया था। मामले में याची के अधिवक्ता ने आरोपियों को झूठा फंसाने की दलील देते हुए कहा था कि दुष्कर्म के प्रयास की धाराओं में समन जारी किया गया है, जबकि यह आरोपों के अनुरूप नहीं है। समन जारी करते वक्त ट्रायल कोर्ट ने न्यायिक विवेक का प्रयोग नहीं किया। इस पर हाईकोर्ट ने आंशिक अपील स्वीकार करते हुए कहा कि अभियुक्तों ने पीड़िता की छाती को पकड़ लिया, नाड़ा तोड़ दिया और पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश की, कुछ लोगों के हस्तक्षेप पर वे भाग गए... सिर्फ इतने तथ्य से दुष्कर्म के प्रयास का मामला नहीं बनता। मामला कासगंज के पटियाली थाना क्षेत्र का है। चार साल पहले पीड़िता की मां ने 12 जनवरी 2022 को ट्रायल कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप लगाया कि 10 नवंबर 2021 को वह अपनी 14 साल की बेटी के साथ पटियाली में देवरानी के घर गई थी। उसी दिन शाम को लौटते वक्त गांव के ही पवन, आकाश और अशोक मिल गए। पवन ने बेटी को अपनी बाइक पर बैठाकर घर छोड़ने की बात कही। मां ने उस पर भरोसा करते हुए बाइक पर बैठा दिया। रास्ते में पवन और आकाश ने लड़की को पकड़ लिया और उसके कपड़े उतारने का प्रयास करते हुए पुलिया के नीचे खींचने लगे। लड़की की चीख सुनकर ट्रैक्टर से गुजर रहे लोग मौके पर पहुंचे, जिन्हें तमंचा दिखाकर आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए।

हाईजैक हो चुके नीतीश, बिहार में एनडीए की नहीं बनेगी सरकार - तेजस्वी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में बिहार चुनाव से पहले राजद और कांग्रेस के बीच बड़ी बैठक हुई। राजद नेता तेजस्वी यादव और मनोज झा ने लोकसभा नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। बैठक के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने बैठक की और सकारात्मक चर्चा हुई। हम 17 अप्रैल को पटना में फिर मिलेंगे। हम पूरी तरह तैयार हैं और हम बिहार को आगे ले जाना चाहते हैं। राज्य में एनडीए सरकार के 20 साल बाद भी बिहार सबसे गरीब राज्य है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हम चर्चा करेंगे और सर्वसम्मति से सीएम का चेहरा तय करेंगे। ₹नीतीश जी तो हाईजैक हो चुके हैं। एनडीए इस बार बिहार में सरकार नहीं बना रहा है। 20 अप्रैल को कांग्रेस अध्यक्ष बिहार के बक्सर में मतदाताओं को लुभाने के लिए एक जनसभा करेंगे। उम्मीद है कि कांग्रेस अध्यक्ष के साथ मंच पर राजद के नेता भी होंगे, ताकि भारतीय जनता पार्टी की एकता और ताकत का प्रदर्शन किया जा सके। इस बार, कांग्रेस ने युवा नेता कन्हैया कुमार को जिम्मेदारी दी है, जो अपनी ₹नौकरी दो₹ रैली के जरिए पलायन और बेरोजगारी के मुद्दे को उठाते रहे हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास जगाने के लिए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी रैली में हिस्सा लिया था। इससे पहले 30 मार्च को बिहार में पार्टी के लिए चुनावी बिगुल बजाते हुए

अचानक एकनाथ शिंदे से क्यों करनी पड़ी अर्जेंट मीटिंग – अमित शाह

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष एकनाथ शिंदे द्वारा मुंबई में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर अपनी विभिन्न शिकायतें उठाने की कोशिश ने भाजपा नीत महायुति में हलचल मचा दी है। सूत्रों का कहना है कि इससे सत्तारूढ़ खेमे में खलबली मचने के संकेत मिल रहे हैं। पिछले सप्ताहांत शाह के महाराष्ट्र दौरे के दौरान शिंदे ने मुंबई के सह्याद्री गेस्ट हाउस में शाह से मुलाकात की। यह आमने–सामने की मुलाकात थी, क्योंकि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस नागपुर के दौरे पर थे। वहीं उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार अपने बारामती निर्वाचन क्षेत्र में थे। आधिकारिक तौर पर, भाजपा और एनसीपी दोनों ने शाह के साथ शिंदे की मुलाकात को शिष्टाचार भेंट

बताया। इस चर्चा के बीच कि शिंदे ने अजित पवार के खिलाफ शाह से शिकायत की और अपनी विभिन्न शिकायतें बताईं, शिवसेना प्रमुख ने कहा कि हमारे बीच कोई मनमुटाव नहीं है। सब कुछ ठीक है। उन्होंने कहा कि अमित शाह एनडीए और महायुति के नेता हैं। मेरी उनसे मुलाकात राज्य और मुंबई में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं के बारे में उन्हें जानकारी देने के लिए थी। अजित पवार ने भी इसी तरह की बात कही, उन्होंने सुझाव दिया कि शिंदे शाह से शिकायत करने के बजाय उनसे बात करेंगे। हालांकि, शिवसेना सूत्रों ने कहा कि यह एक गंभीर चर्चा थी। पार्टी के एक नेता ने कहा कि जाहिर है, शाह और शिंदे मौसम और क्रिकेट पर बात नहीं करने जा रहे हैं। यह राजनीति और सरकारी कामकाज पर एक गंभीर चर्चा होनी चाहिए। सूत्रों ने बताया कि शिवसेना अपने सहयोगियों से कई मुद्दों पर नाराज है। शिंदे ने शाह को बताया कि महायुति के भीतर अलगाव की भावना बढ़ रही है। शिवसेना अपने मंत्रियों के विभागों के लिए बजट आवंटन में कटौती से परेशान है। शिंदे सेना प्रशासनिक सुधारों के नाम पर फडणवीस द्वारा उठाए गए कई कदमों से भी नाराज है। सूत्रों ने बताया कि मंत्रियों के निजी सहायक (पीए) या विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) के रूप में दागी साख वाले व्यक्तियों की नियुक्ति को रोकने के फडणवीस के फैसले के मद्देनजर, शिवसेना द्वारा प्रस्तावित कई ऐसी नियुक्तियों पर सवाल उठाए गए या उन्हें खारिज कर दिया गया।

पीएम मोदी ने बंगाली नव वर्ष की लोगों को दी बधाई

बंगाल, (एजेंसी)। पोहेला बोइशाख, या पोइला बोइशाख – बड़े पैमाने पर पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में मनाया जाता है, जो बंगाली कैलेंडर में पहला महीना है, यही कारण है कि इसे बंगाली नव वर्ष के रूप में भी जाना जाता है। वहां के लोग खुशी और आनंद का त्योहार धूमधाम से मनाते हैं। इस दिन लोग 'शुभो नोबो बोरशो' कहकर शुभकामनाओं का आदान–प्रदान करते हैं, जहाँ 'शुभो' का अर्थ है खुशी, 'नोबो' का अर्थ है नया और 'बरशो' का अर्थ है साल। एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, ₹पोइला बोइशाख पर शुभकामनाएं!₹ पीएम मोदी ने कहा मुझे आशा है कि इस वर्ष आपकी सभी इच्छाएँ पूरी होंगी। मैं सभी की सफलता, सुख, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करता हूं। शुभो नबो बरशो!₹

पोइला बोइशाख दुनिया भर के बंगालियों द्वारा मनाया जाता

है, भले ही भौगोलिक स्थिति कुछ भी हो, लेकिन इस अवसर का बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और असम सहित भारत के बंगाली भाषी क्षेत्रों में बंगालियों के लिए विशेष महत्व है। पोइला बोइशाख नवीनीकरण, खुशी और सांस्कृतिक गौरव का दिन है। यह धार्मिक या क्षेत्रीय मतभेदों की परवाह किए बिना समुदायों को एक साथ लाता है और बंगाली लोगों की साझा विरासत का जश्न मनाता है। पोइला शब्द का अर्थ है पहला और बोइशाख बंगाली कैलेंडर में पहले महीने का नाम है – इसलिए, पोइला बोइशाख का शाब्दिक अर्थ है बोइशाख का पहला। पश्चिम बंगाल में, यह कला, संगीत, भोजन और व्यावसायिक परंपराओं के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है। पोइला बोइशाख बंगाली कैलेंडर वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है और इसे भारत और विदेशों के विभिन्न हिस्सों में बंगाली समुदाय द्वारा मनाया जाता है। ₹पोलियाश शब्द का अर्थ है पहला, और ₹बोइशाख₹ चंद्र–सौर बंगाली कैलेंडर का पहला महीना है। आज, समुदाय वर्ष 1432 की शुरुआत का जश्न मनाता है। बंगाली सकब्दी के अनुसार, वर्ष का पहला दिन सबसे शुभ माना जाता है।

मुसलमान में बाबर का डीएनए, तो तुम में किसका -रामजीलाल सुमन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की सियासत में समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन ने विवादित बयान दे दिया है। इस बयान के आने के बाद से ही सियासी हंगामा मचा हुआ है। करणी सेना ने भी सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा दिए गए विवादित बयान के बाद मोर्चा खोल दिया है। आगरा समेत सूबे के कई शहरों में विरोध प्रदर्शन जारी है। इसी बीच समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन ने बयान दिया है। आंबेडकर जयंती के मौके पर उन्होंने आगरा में स्थित समाजवादी पार्टी के कार्यालय में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि गड़े मुर्दे उखाड़ने की जरुरत नहीं है। तुम्हारा कहना है कि हर मस्जिद के नीचे मंदिर है। हमें यह कहना पड़ेगा कि हर मंदिर के नीते बौद्ध मठ है। वो ये बयान देकर ही नहीं रुके। बल्कि उन्होंने कहा कि अगर तुम कहोगे कि मुसलमान में बाबर का डीएनए है तो तुम में किसका डीएनए है। ये भी बता दो। सुमन ने करणी सेना पर भी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हमने कुल तीन सेनाओं को चुना था जिसमें वायु सेना, थल सेना और नौ सेना शामिल थी। हमारे बीच नई सेना आई है। समाजवादी पार्टी के सांसद राजमीलाल सुमन ने कहा कि हमारी जमीन पर चीन ने कब्जा किया है। चीन अरुणाचल प्रदेश को अपने क्षेत्र में दिखाता है। ऐसे में करणी सेना के रणबांकुरों को देश की सीमा पर जाना चाहिए और चीन से हमारी रक्षा करनी चाहिए।

सांसद रामजीलाल सुमन का कहना है कि अगर करणी सेना वाले ये नहीं करते तो उनसे अधिक निकली दुनिया में कुछ नहीं है। क्षत्रियों का धर्म मदद करना होता है। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में वो अकेले नहीं है। ये लड़ाई उन लोगों से है जो हिंदुस्तान के मुसलमानों को बाबर की औलाद कहते है। इस देश की इज्जत जब भी दांव पर लगी है तो देश के मुसलमानों ने भी साबित किया है यहां कि मिट्टी से जितना लगाव हिंदू को है उतना ही मुसलमान को भी है। उन्होंने कहा कि ये लड़ाई लंबी चलने वाली है। इसमें हमने कहा कि हिंदुस्तान के मुसलमानों ने बाबर को अपना आदर्श कभी नहीं माना था।

संपादकीय

पंजाब का भविष्य देखें

यह विडंबना ही है कि पंजाब में आसन्न चुनौतियों को नजरअदांज करके राजनीतिक लाभ के लिये गैरजरूरी गतिविधियां की जा रही हैं। इसी कड़ी में मान सरकार द्वारा विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा के खिलाफ मामला दर्ज करना, एक अनाश्यक राजनीतिक उकसावा ही कहा जाएगा। निश्चित रूप से यह प्रकरण एक अनुचित समय पर हुआ है। आज एक बार फिर पंजाब दोराहे पर खड़ा है, जहां उसे उन ताकतों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने अतीत में राज्य को भयावह संकट में धकेल कर अमन–शांति को ग्रहण लगाया था। इन ताकतों के खतरनाक मंसूबों को गंभीरता से महसूस किया जाना चाहिए। हाल के दिनों में ग्रेनेड हमलों की शृंखला शासन–प्रशासन के साथ आम लोगों को व्यथित किए हुए है। ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधि के खिलाफ समय रहते सामूहिक संकल्प लेने की सख्त जरूरत है। इस वक्त पंजाब के राजनीतिक परिदृश्य में जिम्मेदार नेतृत्व की सख्त जरूरत है। यह समय नहीं है कि राजनीतिक लाभ–हानि के गणित को दृष्टिगत रखकर एक–दूसरे से आगे निकलने की होड़ दिखाई जाए। यदि पंजाब में सिर उठा रही आतंकवाद की नई चुनौती के खतरे को गंभीरता से लेने की बजाय, अभद्र भाषा की टिप्पणियों को प्राथमिकता दी जाएगी तो राज्य का बहुत कुछ दांव पर लगेगा। इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि इस राजनीतिक विवाद में पुलिस को घसीटा जा रहा है। ऐसे चुनौती वाले समय में जब पुलिस का मनोबल बढ़ाकर उसकी पूरी ऊर्जा उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई पर केंद्रित करने की जरूरत है, जो राज्य को फिर से अतीत के उस काले दौर की ओर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उबरने में पंजाब के लोगों ने भारी कीमत चुकाई थी। कोई नहीं चाहेगा कि राज्य को फिर उस भयावह दौर से गुजरना पड़े। इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के समक्ष मौजूदा चुनौतियों और हिंसक अतीत को दृष्टिगत रखते हुए राजनीति प्रतिष्ठानों से संवेदनशील मामलों में संयमित और सावधान प्रतिक्रिया की उम्मीद की जा सकती है। लेकिन विडंबना है कि नये सिरे से पंजाब की शांति को भंग करने की कुत्सित कोशिशों के प्रति राजनीतिक दलों द्वारा गंभीर प्रतिसाद नहीं दिया जा रहा है। हाल के दिनों में राज्य में सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की सतही बयानबाजी से तो ऐसा नहीं लगता है कि राजनेताओं द्वारा चुनौतीपूर्ण स्थितियों में परिपक्वता का व्यवहार किया जा रहा हो। सवाल है कि क्या कांग्रेस नेता बाजवा को अपने बयानों को अभिव्यक्त करने में अधिक सावधान नहीं रहना चाहिए था? निस्संदेह, उन्हें गंभीरता व परिपक्वता का परिचय देना चाहिए था। सवाल यह भी है कि उनके बयानों के जबाव में क्या सरकार की ओर से मामला दर्ज किया जाना चाहिए था? निश्चित रूप से नहीं दर्ज किया जाना चाहिए था। सत्तापक्ष और विपक्ष की कारगुजारियों को देखकर निष्कर्ष निकालना कठिन नहीं है कि दोनों की तरफ से मौजूदा परिदृश्य में प्राथमिकताएं निर्धारित करने में गलती की जा रही है। यानी बयानबाजी व कार्रवाई में संकीर्ण राजनीतिक हितों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे उन तत्वों को शह मिलती है जो पंजाब के अमन–चौन को ग्रहण लगाना चाहते हैं। वक्त की मांग है कि पंजाब के दूरगामी हितों से जुड़े गंभीर मुद्दों को राजनीतिक चश्मे से ही कदापि नहीं देखा जाना चाहिए।

मुंबई हमले की साजिश के सूत्रधार तहव्वुर-हेडली

वप्पला

डेविड कोलमैन हेडली और तहव्वुर राणा की यारी तब से है, जब वे दोनों पाकिस्तान में कुलीन सैन्य शिक्षा संस्थान हसन अब्दाल कैडेट कॉलेज में साथ पढ़ते थे। आगे चलकर, तहव्वुर राणा ने हेडली की गुप्त आतंकवादी टोही गतिविधियों को 'कवर' मुहैया करवाया। हेडली, जिसका जन्म वाशिंगटन डीसी में दाऊद गिलानी के रूप में हुआ था, वह रेडियो प्रसारक पाकिस्तानी पिता सैयद सलीम गिलानी और अमेरिकी मां सेरिल हेडली का बेटा है। डेविड बचपन में परिजनों के साथ पाकिस्तान आ बसा। उसकी मां का तलाक हो गया और सेरिल वापस अमेरिका लौट गई। वर्ष 2013 में शिकागो में उनके खिलाफ अदालती कार्यवाही से पता चलता है कि दाऊद उर्फ डेविड 'पाकिस्तानी राष्ट्रवाद और इस्लामी रूढ़िवाद के माहौल' में पला–बढ़ा। हेडली के अनुसार, भारत के प्रति उसकी नफरत 1971 में शुरू हुई, जब भारत–पाक युद्ध के दौरान कराची पर हमले के दौरान एक भारतीय बम भटककर उसके प्राथमिक स्कूल पर जा गिरा और दो लोग मारे गए। 17 साल की उम्र में, हेडली अपनी पाकिस्तानी सौतेली मां से झगड़ा होने के बाद फिलाडेल्फिया में अपनी असली मां के पास लौट गया। अमेरिका, पाकिस्तान और जर्मनी में नशीली दवाओं की लत के कारण 1988 में उसका पाला कानून से पड़ा, जब उसे गिरफ्तार किया गया था। आगे चलकर, अमेरिकी ड्रग प्रवर्तन एजेंसी (डीईए) ने उसे बतौर एक मुखबिर भर्ती कर लिया। 1998 में डीईए ने उसे अंडरकवर एजेंट के रूप में पाकिस्तान भेजा। उस अवधि के दौरान, उसके संबंध लश्कर–ए–तैयबा के साथ बन गए। वह बताता है कि उसने अमेरिकी अधिकारियों की अनुमति लिए बिना पाकिस्तान की यात्राएं कीं। वर्ष 2000 में उसकी मुलाकात लश्कर

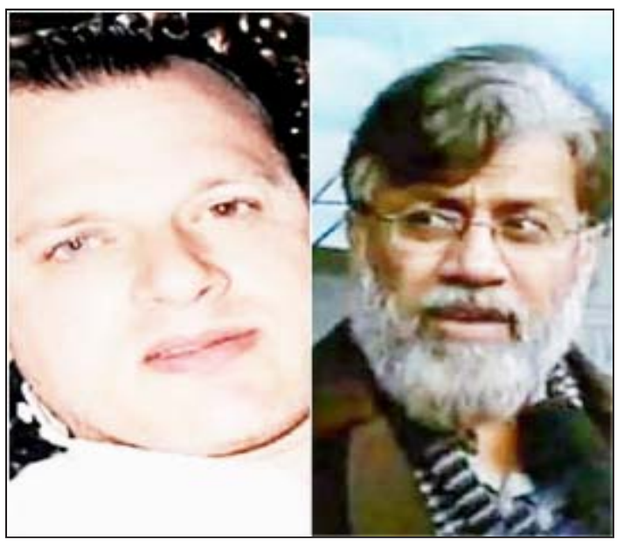

के आध्यात्मिक गुरु हाफिज सईद से हुई। वर्ष 2001 में उसने फिर से एक और साल के लिए डीईए के साथ 'अनुबंध साइन अप' किया। इसने उसे भारतीय उपमहाद्वीप की लगातार यात्राएं करने के मौके प्रदान किए। 'प्रो–पब्लिका' के सेबेस्टियन रोटेला और अमेरिकन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर स्टीफन टैंकेल ने दुनिया के सामने 26ध्11 कांड के आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली, उसके दोस्त तहव्वुर हुसैन राणा और आईएसआई के बीच गुप्त संबंधों को उजागर करने में मुख्य भूमिका निभाई। जिसकी हवा अमेरिकी स्रोतों ने आधिकारिक तौर इससे पहले नहीं लगने दी। 2012 में नेशनल जियोग्राफिक चौनल द्वारा 26ध्11 हमले पर बनाई डॉक्यूमेंट्री 'सेकंड्स टू डिजास्टर रू द मुंबई मैसेकर' में स्टीफन टैंकेल और मेरे विचार शामिल किए गए थे। उस साल वे लश्कर–ए–तैयबा पर अपनी पुस्तक 'स्टॉर्मिंग द वर्ल्ड स्टेज' का विमोचन करने मुंबई आए थे, जिसमें लश्कर–ए–तैयबा और पाकिस्तान की आईएसआई के बीच घनिष्ठ संबंधों का खुलासा था, जिसके वास्ते तथ्य उन्होंने 2009 में पाकिस्तान एवं भारत में वास्तविक धरातल पर किए खोज–कार्य से जुटाए थे। वर्ष 2017 में उन्होंने नेशनल प्रेस क्लब, वाशिंगटन डीसी में मेरी किताब 'कीपिंग इंडिया सेफ' पर चर्चा सत्र की अध्यक्षता की थी। सेबेस्टियन रोटेला को व्यक्तिगत रूप से मैं जून, 2013 में ही जान पाया था, जब वे पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग सर्विसेस के वास्ते 2011 में बनाई अपनी डॉक्यूमेंट्री 'ए परफेक्ट टैरेरिस्ट' के द्वितीय अंक के लिए मेरा इंटरव्यू रिकॉर्ड करने मुंबई आए थे। पहले अंक में हेडली का मुंबई और डेनमार्क से राब्ता कैसे बना, यह बताया गया था। वह यह जांच भी कर रहे थे कि अमेरिकी एजेंसियों ने हेडली की संलिप्तता और भारत की लगातार यात्राओं के बारे में भारतीय अधिकारियों को सतर्क क्यों नहीं किया, जबकि एक अमेरिकी राजनयिक अधिकारी ने इस्लामाबाद में उसकी पत्नी से पूछताछ करने के बाद एफबीआई, डीईए और सीआईए को इसकी सूचना दी थी। जनवरी, 2013 में अमेरिकी शिकागो जिला न्यायालय के न्यायाधीश हैरी लीननवेबर ने डेविड कोलमैन हेडली को मुंबई नरसंहार की साजिश के हिस्से के तौर पर पूर्व–टोही अभियान में उसकी गहरी संलिप्तता के कारण 35 साल की जेल की सजा सुनाई। शिकागो में गवाहों में अमेरिकी लेखिका लिंडा रैग्सडेल भी शामिल थीं, जो 26ध्11 के हमले के दौरान घायल हुई थीं, जबकि उनके साथ खाने की मेज पर बैठे दो अन्य लोग मारे गए थे। अदालती कार्रवाई से पता चलता है कि पहले ही 'प्ली बार्गेन एग्रीमेंट' के तहत कबूलनामा कर चुके हेडली ने पाकिस्तान में अपने घर में टीवी पर लाइव कवरेज में मुंबई हमले का नजारा लिया था। हेडली ने अदालत को बताया कि उसने 2002 से 2005 के बीच पांच बार पाकिस्तान में लश्कर के प्रशिक्षण शिविरों में भाग लिया था। 2005 के अंत में, उसे टोही अभियान चलाने के लिए भारत की यात्रा करने के निर्देश मिले, जो उसने पांच बार की। अदालती कार्यवाही से यह भी संकेत मिलता है कि लीननवेबर ने अभियोजन पक्ष के उस अनुरोध के प्रति अरुचि दिखाई, जिसमें 'मुंबई में तीन दिन चले नरसंहार की भयावह प्रकृति' में हेडली की संलिप्तता के बावजूद उसे कानून के तहत अधिकतम सजा न देने की मांग की गई थी। भले ही अमेरिकी अटॉर्नी पैट्रिक फिट्जगेराल्ड ने उसके 'पूर्ण रूपेण कबूलनामे' के मद्देनजर नरमी बरतने का अनुरोध किया, लेकिन जज ने बताया कि हेडली को पहले भी दो बार 'उदार प्ली बार्गेन' मिल चुके हैं, जब उस पर 1980 और 1990 के दशक में हेरोइन तस्करी का आरोप लगा था। उन्होंने कहा कि वह उसे इतनी लंबी सजा सुना रहे हैं, जो 'उसे बाकी बचे प्राकृतिक जीवन तक जेल में बंद रखे।' 2013 में यूएस शिकागो डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज हैरी लीननवेबर की अदालत में तहव्वुर राणा के खिलाफ चली अदालती कार्यवाही उसके और हेडली के बीच घनिष्ठ मित्रता का सबूत देती है, खासकर इस बारे में कि कैसे राणा की ट्रैवल एजेंसी द्वारा मुहैया 'कवर' ने हेडली को भारत और पाकिस्तान की लगातार यात्राएं करने का मौका दिया। राणा, जिसे 'आव्रजन सलाहकार' बताया गया था, उसने हेडली को अपनी आव्रजन परामर्श फर्म का विदेशी प्रतिनिधि दिखाकर अंडरकवर आतंकवादी टोही अभियान चलाने में मदद की। उसने हेडली को मुंबई में एक कार्यालय खोलकर दिया, व्यवसाय कार्ड का उपयोग करने देकर, वीजा प्राप्त करने में और अनन्य तरीकों से अंडरकवर बने रहने की सहूलियतें प्रदान कीं। जज हैरी लेननवेबर ने लश्कर–ए–तैयबा की आतंकवादी गतिविधियों को भौतिक रूप से सहायता प्रदान करने और पैगंबर मुहम्मद के कार्टून प्रकाशित करने वाले डेनिश अखबार पर हमला करने की साजिश में शामिल होने के दोहरे आरोपों के लिए राणा को चौदह साल की जेल की सजा सुनाई। हालांकि, उन्होंने उसे मुंबई 26ध्11 हमलों में भौतिक रूप से मदद करने के आरोप से बरी कर दिया। इसमें उन्होंने ज्यूरी के निष्कर्ष से आंशिक रूप से सहमति व्यक्त की, जिसने राणा की इस दलील को स्वीकार किया था कि 'उसे मुंबई हमले की साजिश के बारे में कुछ पता नहीं था और लश्कर का समर्थक होने के बावजूद 2008 के नरसंहार में उसने कोई भूमिका नहीं निभाई'। हालांकि, जज ने पाया कि नवंबर, 2008 में मुंबई में जो कुछ हुआ उसके बाद राणा को ऐसे संबंधों की 'घातक क्षमता' के बारे में पता अवश्य होगा। इसलिए उन्होंने दंड कानून के प्रावधान के तहत सजा को 11 साल से बढ़ाकर 14 साल कर दिया। सच है कि फरवरी, 2016 में अबू जुंदाल के मामले में मुंबई की एक अदालत ने हेडली से बतौर गवाह ऑनलाइन पूछताछ की थी। हालांकि, राणा के भारत प्रत्यर्पण होने से हेडली से पूर्व टोही अभियान चलाने में मदद देने में उसकी भूमिका के बारे में पूछताछ करने का मौका मिलेगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि शिकागो ज्यूरी के निष्कर्ष उन तथ्यों पर आधारित नहीं लगते, जो हमारी जांच एजेंसियों ने यूएसए में अपने समकक्षों को दिए थे। इसलिए राणा का प्रत्यर्पण महत्वपूर्ण है।

सरकार व समाज मिलकर निकालें समाधान

दीपक

भारत में गली–कूचों में घूमने वाले आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या एक गंभीर जन–सुरक्षा संकट बन चुकी है। हाल ही में कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने इस मुद्दे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने उठाया। उन्होंने समस्या के समाधान के लिए एक नेशनल टास्क फोर्स गठित करने की मांग की। बताया जाता है कि भारत में करोड़ों आवारा कुत्ते गंभीर चुनौती का सबब बने हुए हैं। कई शहरों में यह समस्या विकराल रूप ले चुकी है, लेकिन प्रशासन के पास इस संकट के समाधान के लिये कोई प्रभावी नीति नहीं है। वर्ष 2012 की लाइवस्टॉक सेंसस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में करीब 1.7 करोड़ आवारा कुत्ते थे, लेकिन 2019 तक यह संख्या बढ़कर 6.2 करोड़ हो गई। कुत्तों की संख्या नियंत्रित करने के लिए सरकार की एबीसी (एनीमल बर्थ कंट्रोल) योजना है, लेकिन इसे प्रभावी तरीके से लागू नहीं किया जा रहा। देश में हर साल 1.75 करोड़ से अधिक लोग कुत्तों के हमलों का शिकार होते हैं। भारत में विश्व की 36 प्रतिशत रैबीज मौतें होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल देश में 20,000 से अधिक लोग रैबीज से मरते हैं। दरअसल, रैबीज से होने वाली मौतों में 99 प्रतिशत मामले कुत्ते काटने के होते हैं। रैबीज एक जानलेवा बीमारी है और इसका कोई इलाज नहीं है। रैबीज का एकमात्र समाधान टीकाकरण और जानवर आबादी नियंत्रण है। लेकिन भारत में 80 प्रतिशत से अधिक आवारा कुत्तों का कोई टीकाकरण नहीं होता। इसके कारण संक्रमण का खतरा और बढ़ जाता है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में गली के कुत्तों द्वारा काटे जाने की घटनाएं बढ़ रही हैं। छोटे बच्चे और बुजुर्ग इस संकट से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं।

..... विविध .....

40 की उम्र के बाद भी दमकती रहेगी त्वचा, बस अपनाएं ये स्किन केयर रूटीन

उम्र बढ़ने के साथ त्वचा की जरूरतें बदलने लगती हैं। खासतौर पर 40 की उम्र के बाद चेहरे पर झुर्रियां, डलनेस और नमी की कमी जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। लेकिन चिंता की बात नहीं है, क्योंकि कुछ आसान स्किन केयर टिप्स और थोड़ी सी समझदारी से आप इस उम्र में भी अपनी त्वचा को जवां और हेल्दी बनाए रख सकती हैं।

कम से कम 8 गिलास पानी पिएं

40 की उम्र के बाद त्वचा में नमी की कमी तेजी से महसूस होने लगती है। ऐसे में सबसे जरूरी है कि त्वचा को लगातार हाइड्रेट रखा जाए। इसके लिए हल्के और मॉइस्चराइजिंग क्लींजर का इस्तेमाल करें। हायल्यूरोनिक एसिड युक्त सीरम त्वचा को भीतर से नमी देता है। वहीं मॉइस्चराइजर में ग्लिसरीन, सेरामाइड और पेप्टाइड्स जैसे तत्व होने चाहिए। दिनभर में कम से कम 8 गिलास पानी पीना भी बेहद जरूरी है।

रेटिनॉल से पाएं जवां त्वचा

रेटिनॉल एक ऐसा तत्व है जो त्वचा में कोलेजन के स्तर को बढ़ाता है और झुर्रियों को कम करता है। इसे नाइट स्किनकेयर रूटीन में शामिल करें। शुरुआत में इसे हफ्ते में एक या दो बार लगाएं और इसके बाद मॉइस्चराइजर जरूर लगाएं। रेटिनॉल के इस्तेमाल के बाद दिन में सनस्क्रीन लगाना बिल्कुल न भूलें।

स्किन को एक्सफोलिएट करना न भूलें

40 की उम्र के बाद त्वचा का सेल टर्नओवर धीमा हो जाता है, जिससे चेहरा मुरझाया हुआ लगता है। हफ्ते में 1 से 2 बार युक्त केमिकल एक्सफोलिएंट का प्रयोग करें। स्क्रब से बचें क्योंकि यह त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है।

सनस्क्रीन है बेहद जरूरी

घर में रहें या बाहर, SPF 30 या उससे अधिक वाला सनस्क्रीन जरूर लगाएं। हर 2 घंटे में इसे दोबारा लगाना चाहिए। इसके साथ–साथ बड़ी टोपी, चश्मा और फुल स्लीव कपड़े पहनना भी धूप से सुरक्षा के लिए फायदेमंद होता है। विटामिन ब सीरम सनस्क्रीन के असर को और भी बढ़ा देता है।

डार्क स्पॉट्स का करें सही इलाज

40 की उम्र के बाद हॉर्मोनल बदलावों के कारण हाइपरपिग्मेंटेशन यानी काले धब्बे हो सकते हैं। इन्हें कम करने के लिए विटामिन ब और नायसिनामाइड युक्त सीरम का प्रयोग करें। हल्का एक्सफोलिएशन भी दाग–धब्बों को हल्का करता है।

आंखों की खास देखभाल जरूरी

आंखों के नीचे की त्वचा सबसे पहले उम्र का असर दिखाती है। इसलिए आई क्रीम का इस्तेमाल जरूरी है। इसमें पेप्टाइड, कैफीन और विटामिन ब जैसे तत्व होने चाहिए। आई क्रीम को बहुत हल्के हाथों से लगाएं।

स्वस्थ लाइफस्टाइल अपनाएं

स्किन केयर रूटीन के साथ–साथ आपकी डाइट और जीवनशैली भी बहुत अहम होती है। संतुलित आहार लें जिसमें फल, हरी सब्जियां, लीन प्रोटीन और हेल्दी फैट्स हों। रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। 7 से 9 घंटे की नींद जरूर लें। तनाव को दूर करने के लिए योग, मेडिटेशन या ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें। उम्र सिर्फ एक संख्या है, त्वचा को चाहिए सही देखभाल। अगर आप इन आसान और असरदार स्किन केयर टिप्स को अपनाती हैं, तो उम्र चाहे जो भी हो, आपकी त्वचा हमेशा जवां और दमकती नजर आएगी। याद रखें, सुंदरता उम्र से नहीं, बल्कि सही देखभाल और आत्मविश्वास से झलकती है।

इस बीमारी से 30 लाख से ज्यादा बच्चों की हुई मौत, एंटीबायोटिक दवा भी इस पर है बेअसर

एक नए ऐतिहासिक अध्ययन से पता चला है कि 2022 में दुनिया भर में तीन मिलियन से अधिक बच्चों ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) से संबंधित संक्रमणों के कारण अपनी जान गंवा दी है। अध्ययन के आंकड़ों से पता चला है कि अकेले 2022 में दक्षिण पूर्व एशिया में 752,000 से अधिक बच्चे और अफ्रीका में 659,000 बच्चे मर गए। इन बच्चों को मुख्य रूप से इंफेक्शन से संबंधित बीमारियां लगी थी लेकिन एंटीबायोटिक दवाओं ने काम करना बंद कर दिया जिसके कारण इतने सारे बच्चों की मौत हो गई।

कोविड के बाद बदले हालात

एएमआर बच्चों के लिए एक गंभीर खतरा है, जो संक्रमणों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होते हैं। उत्पाद विकास में देरी के कारण बच्चों के लिए नए एंटीबायोटिक फॉर्मूलेशन तक पहुंच अक्सर बहुत सीमित होती है। अध्ययन के आंकड़ों से पता चला है कि इनमें से कई मौतें वॉच एंटीबायोटिक्स (प्रतिरोध के उच्च जोखिम वाली दवाएं) और रिजर्व एंटीबायोटिक्स (गंभीर, बहु–दवा प्रतिरोधी संक्रमणों के लिए अंतिम उपाय) के उपयोग से जुड़ी थीं। विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले केवल तीन वर्षों में बच्चों में एंटीमायक्रोबियल रेजिस्टेंस

AMR बच्चों के लिए कितना बड़ा खतरा है?

रोगाणुरोधी प्रतिरोध का मतलब होता है– जब बैक्टीरिया, वायरस, फंगस या परजीवी जैसे सूक्ष्म जीव दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं। यानी, दवाएं उन्हें मारने में असफल हो जाती हैं। यह स्थिति बच्चों के लिए खासतौर पर खतरनाक हो सकती है, क्योंकि उनका प्रतिरक्षा तंत्र (इम्यून सिस्टम) अभी पूरी तरह विकसित नहीं होता। 2050 तक हर साल 1 करोड़ लोगों की मृत्यु हो सकती है, जिनमें एक बड़ा हिस्सा बच्चे होंगे।

बच्चों के लिए AMR क्यों है खतरनाक?

छोटे बच्चों को अक्सर सर्दी, खांसी, डायरिया, कान का संक्रमण आदि होते हैं। अगर आम एंटीबायोटिक काम न करें, तो इलाज मुश्किल हो जाता है। जब हल्की दवाएं असर नहीं करतीं, तो डॉक्टरों को ज्यादा मजबूत और साइड–इफेक्ट वाली दवाएं देनी पड़ती हैं, जो बच्चों के शरीर को नुकसान पहुंचा सकती हैं एक आम संक्रमण अगर दवा से न ठीक हो, तो बच्चे को अस्पताल में भर्ती करना पड़ सकता है, इससे परिवार पर भावनात्मक और आर्थिक बोझ भी बढ़ता है। जन्म के बाद अगर नवजात को इन्फेक्शन हो और दवाएं असर न करें तो सेप्सिस (रक्त संक्रमण) जैसी जानलेवा स्थिति बन सकती है।

AMR के कारण क्या हैं?

–बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक देना।

–दवा का पूरा कोर्स पूरा न करना

–पशुओं में दवाओं का अत्यधिक उपयोग (दूधध्मांस के जरिए इंसान तक पहुंचता है)

–गंदा पानी और खराब स्वच्छता व्यवस्था।

–गलत डायग्नोसिस और ओवर–प्रेस्क्रिप्शन।

एंटीबायोटिक्स का क्यों नहीं हो रहा असर

इसके विपरीत, एक्सेस एंटीबायोटिक्स वे हैं जो अधिक व्यापक रूप से उपलब्ध हैं और प्रतिरोध बढ़ाने की उनकी कम क्षमता के कारण आम संक्रमणों के इलाज के लिए उपयोग किए जाते हैं।

काजू-बादाम से भी महंगी है ये देसी सब्जी, सूखने पर बनती है और भी कीमती

क्या आप जानते हैं कि एक ऐसी देसी सब्जी है, जो काजू–बादाम से भी महंगी बिकती है? जी हां, हम बात कर रहे हैं कैर–सांगरी की, जो राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों में प्राकृतिक रूप से उगती है। यह खास सब्जी ताजे रूप में तो बेहतरीन होती ही है, लेकिन जब यह सूख जाती है, तो इसकी कीमत और स्वाद दोनों में दोगुना इजाफा हो जाता है। गर्मी के मौसम में मिलने वाली यह सब्जी न सिर्फ स्थानीय बाजारों में, बल्कि विदेशों में भी अपनी खास पहचान बना चुकी है। जानिए कैसे कैर–सांगरी अपने स्वाद और गुणों से बनती है राजस्थान की सबसे महंगी और प्रसिद्ध सब्जी।

प्राकृतिक रूप से उगने वाली कैर–सांगरी

कैर और सांगरी दोनों ही सब्जियां खेती करके नहीं उगाई जातीं। ये प्राकृतिक रूप से पश्चिमी राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों में उगती हैं। कैर एक जंगली झाड़ी में लगने वाला फल है, जबकि सांगरी खेजड़ी के पेड़ से मिलने वाला फल होती है। यही वजह है कि ये सब्जियां बहुत ही खास और कीमती मानी जाती हैं। इनका स्वाद न सिर्फ बेहतरीन होता है, बल्कि ये लंबे समय तक खराब भी नहीं होतीं, इसीलिए गर्मी में इनका खूब उपयोग होता है।

सूखने के बाद और भी कीमती बनती है सब्जी

जब ये सब्जियां ताजी होती हैं, तब भी इनका स्वाद अच्छा होता है, लेकिन सूखने के बाद इनकी कीमत और स्वाद दोनों बढ़ जाते हैं। सूखी कैर–सांगरी की सब्जी और अचार देश–विदेश में खूब पसंद किए जाते हैं। यही कारण है कि जो लोग इन्हें बेचते हैं, वे गर्मियों में अच्छी कमाई कर लेते हैं।

राजस्थानी भोजन की शान

कैर–सांगरी और कुमटिया जैसे पारंपरिक व्यंजन राजस्थानी थाली की शान होते हैं। रेगिस्तान में गर्मी के कारण सब्जियों का जल्दी खराब हो जाना आम बात है, लेकिन ये सूखी सब्जियां महीनों तक खराब नहीं होतीं। यही वजह है कि मारवाड़ी

परिवारों और होटलों में इनकी खूब मांग रहती है।

विदेशों में भी है जबरदस्त मांग

स्थानीय व्यापारी गणपत लाल ने जानकारी दी।

कि कैर–सांगरी की मांग केवल भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी काफी ज्यादा है।

अंधेरे से भयावह हुए हालात, ताबड़तोड़ धमाकों से दहला था अस्पताल, कुछ ऐसे हुई घटना

लखनऊ, (संवाददाता)। लोकबंधु अस्पताल में सोमवार रात 9:30 बजे भीषण आग लग गई। आग की शुरुआत दूसरे तल से हुई। आग ने सबसे पहले आईसीयू और फीमेल मेडिसिन वार्ड को जद में लिया। आईसीयू वार्ड में तब करीब 25 मरीज भर्ती थे। 30 के आसपास मरीज फीमेल मेडिसिन वार्ड में थे। इससे पहले कि मरीज और तीमारदार कुछ समझ पाते आग ने विकराल रूप ले लिया। आग की लपटें देख वार्ड में चीख पुकार के साथ भगदड़ मच गई। डॉक्टर, स्टाफ, तीमारदारों और दमकलकर्मियों ने मरीजों को निकालने में जान झोंक दी। फिलहाल अब तक किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हो सकी है। अस्पताल कर्मचारियों ने सीएमएस व अन्य

अधिकारियों को आग की सूचना दी। इसके बाद फायर ब्रिगेड लो बुलाया गया। फायर ब्रिगेड के पहुंचते आग अन्य वार्डों में भी फैल गई। हर तरफ चीख पुकार मच गई। डॉक्टर, नर्स, अस्पताल कर्मी व तीमारदारों जान बचाने के लिए इधर उधर भागने लगे। आईसीयू और फीमेल वार्ड से पहले मरीजों को निकाला गया। इसके बाद अन्य मरीज निकाले गए। अस्पताल में फंसे करीब 250 से अधिक मरीजों को किसी तरह निकाला गया। देखते ही देखते आग पूरे परिसर में फैल गई। देर रात तक रेस्क्यू जारी रहा। आग की लपटें इतनी तेज थी कि चारों तरफ धुआं भर गया। अस्पताल के कर्मचारियों ने परिसर की बिजली कटवा दी। इससे हर तरफ अंधेरा फैल गया। इसकी वजह से अंधेरे में लोगों को मरीजों को बाहर निकालने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। हर तरफ चीख पुकार मची थी। लोकबंधु अस्पताल में लगी आग से हालात तब और अधिक भयावह हो गए जब वहां कर्मचारियों ने बिजली काट दी। पूरे अस्पताल में भरे धुएं और अंधेरे के कारण लोगों को दिखना बंद हो गया। उन्हें सांस लेने में समस्या होने लगी। चीख पुकार मच गई। दमकल कर्मी भी आग पर काबू पाने की कोशिश करने लगे। पुलिस भी राहत कार्य में जुट गई। एक के बाद एक ताबड़तोड़ धमाके होने लगे। इससे वहां फंसे लोग और घबरा हो गए। हालात बिगड़ता देख दमकल कर्मी दो टीमों में बंट गए। पहली टीम हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म के जरिये अस्पताल के दूसरे तल पर पहुंची। दूसरी टीम खिड़कियों में लगे कांच तोड़ने लगी। इस बीच दमकल को भी सांस लेने में समस्या होने लगी। आनन–फानन टीम ने वीआर सेट पहना और स्मोक एग्जास्ट के जरिए धुएं को बाहर निकाला।

बच्चों को पीछे छूटा देख बिलख पड़ी महिलाएं

अपने बच्चों को अस्पताल में छूटता देख महिलाएं घबरा गईं। पुलिस कर्मियों ने उन्हें अस्पताल में वापस जाने से रोका। चिंता और भय के कारण वे रो पड़ीं। पुलिस ने कुछ बच्चों को खोज निकाला। अन्य की तलाश में टीमें जुटी रहीं।

ऑक्सीजन प्लांट के फटने का सताया डर, गांव वाले भागे

अस्पताल से सटे परिगवां गांव के लोग भी घबरा गए। वे भी अपने परिवार के साथ घरों से भाग निकले। उनमें अस्पताल में लगे ऑक्सीजन प्लांट फटने का डर सताने लगा। सभी सड़क पर जुट गए।

शिफ्टिंग के बावजूद मरीजों को मिलेगा निशुल्क इलाज शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

आग लगने के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चला है। अधिकारियों ने शॉर्ट सर्किट से घटना होने की आशंका जताई है। फिलहाल मामले की जांच कराई जा रही है। जांच के बाद ही स्थिति साफ होगी। सुरक्षित निकाले गए नवजात

हादसे के कारण अस्पताल में जन्मे नवजात भी फंस गए। अस्पताल कर्मचारियों ने सबसे पहले नवजातों को बाहर निकाला। नहीं तो और दुखद घटना हो सकती थी। अपने लख्ते जिगर को सुरक्षित देख महिला मरीजों की जान में जान आई। ग्लूकोज की बॉटल लिए मरीजों के पास खड़े रहे तीमारदार अस्पताल के बाहर काफी देर तक तीमादार अपने–अपने मरीजों के साथ ग्लूकोज की बॉटल लिए खड़े। वहीं, कुछ स्ट्रेचर पर जमीन पर ही लेट गए। सभी के चेहरों पर हवाइयां उड़ी हुई थीं।

बस ने ऑटो में मारी टक्कर, एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत... 16 गंभीर रूप से घायल

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बहराइच में मंगलवार को भीषण हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार बस ने ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि 16 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से मौके पर अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसा गोंडा–बहराइच मार्ग पर खूंटेहना चौकी के काटिलिया के पास हुआ। बताया गया कि मृतक और घायल हुजूरपुर थाना क्षेत्र के हीरापुर गांव के रहने वाले हैं। वह ऑटो बुक करके पयागपुर थाना क्षेत्र के कोलुहवा गांव में एक रिश्तेदार के घर वलीमा में शामिल होने जा रहे थे। रास्ते में बस ने ऑटो में टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान अजीम (12), फहद (05), मरियम (65), अमजद (45) और मुन्नी (45) के रूप में हुई है। गोंडा–बहराइच मार्ग पर लगा लंबा जाम हादसा देख मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। देखते ही देखते गोंडा–बहराइच मार्ग पर लंबा जाम लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस के माध्यम से सभी को मेडिकल कॉलेज के लिए भेजा। शवों को मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस ने गाड़ियों को हटवाकर यातायात बहाल कराया।

कोटा खर्च पर चल रहे विवाद को लेकर बुलाई गई बैठक, महापौर के सामने ही भिड़ गए भाजपा पार्षद

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को आयोजित नगर निगम सदन की बैठक से पहले सोमवार को महापौर के सरकारी आवास पर भाजपा पार्षद दल की बैठक हुई। यहां पार्षद रंजीत यादव और मौजूदा पार्षद के पति व पूर्व पार्षद हरीश अवस्थी आपस में भिड़ गए। सोमवार को पार्षद दल की बैठक बुलाने का उद्देश्य था कि सदन की बैठक में बजट पास करने के दौरान कोई हंगामा न हो। यहां पार्षदों ने कहा कि 24 मार्च को नगर निगम कार्यकारिणी में पार्षद कोटा खर्च को लेकर कोई बंदिश नहीं लगाई गई थी। पार्षदों की स्वेच्छा पर था वह काम के हिसाब से कोटे की धनराशि घटा–बढ़ा कर खर्च कर सकते हैं। आरोप लगाया कि कार्यकारिणी की कार्यवाही रिपोर्ट में इसे बदल दिया गया है। अब कोटे में तय मद के लिए धनराशि खर्च की बाध्यता की गई है, जो गलत है। पार्षदों ने लगाई गई शर्तें हटाने की मांग की।

मनकामेश्वर वार्ड से भाजपा पार्षद रंजीत यादव महापौर के खास माने जाते हैं। एक साल पहले नगर निगम सदन में रामकी कंपनी को लेकर भाजपा पार्षद रामनरेश रावत के एक बयान पर रंजीत यादव से उनकी भिड़ंत हो गई थी। रामनरेश और महापौर के बीच भी मनमुटाव था, लेकिन इधर कुछ महीनों से वह महापौर के खास हो गए हैं। वहीं पार्षद शैलेंद्र वर्मा, मुकेश सिंह मोंटी जो पहले खास थे, अब महापौर से दूर हो गए हैं। यह बात बैठक में पार्षद शैलेंद्र और पूर्व पार्षद हरीश ने उठाई तो पार्षद रंजीत भड़क गए। बात इतनी बढ़ी कि दोनों ओर बाहर निकलने पर देख लेने की चेतावनी दी गई। बैठक में किसी बात पर कोई सहमति नहीं बन सकी। भाजपा पार्षद रंजीत यादव ने बैठक के बाद कहा कि हरीश कुछ व्यक्तिगत आक्षेप कर रहे थे तब मैंने यह कहा कि बाहर निकलना तब कर लेना। बाहर निकलो, देखते हैं... जैसी बात मैंने नहीं कही। इधर, पूर्व पार्षद हरीश अवस्थी ने कहा कि वह बस इतना कहेंगे कि रंजीत ने अभी दुनिया नहीं देखी है। नगर अध्यक्ष भाजपा आनंद द्विवेदी ने कहा कि झगड़े की कोई बात नहीं हैं। पार्षद परिवार के बीच बैठे थे। आपस में कभी कोई तेज आवाज में बात हो जाती है तो इसका मतलब झगड़ा नहीं है। सिर्फ सड़क–नाली पर ही क्यों खर्च हो बजट रू महापौर महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि पार्षद सिर्फ सड़क–नाली पर ही पूरा कोटा क्यों खर्च करना चाहते हैं? शहर में पार्क, स्ट्रीट लाइट, फॉगिंग आदि के कार्य भी जरूरी हैं, वह भी कराए जाएं। 15 वार्ड ऐसे हैं, जहां अच्छे पार्क नहीं हैं। इन पर भी बजट खर्च हो। पार्षद कोटे में जिस काम के जो धनराशि तय है, उसी पर खर्च किया जाना चाहिए। बैठक में दो पार्षदों के बीच कुछ विवाद हुआ है, लेकिन सब सामान्य है।

संक्षिप्त समाचार

जश्न-ए-बहारा में छाया वैसाखी का उल्लास

लखनऊ, (संवाददाता)। वैसाखी के अवसर पर लखनऊ कनेक्शन वर्ल्डवाइड की ओर से आयोजित सांस्कृतिक संध्या जश्न–ए–बहारां में शहरवासियों ने उल्लास, सांस्कृतिक विविधता और आपसी सौहार्द का अनुभव किया। गोमतीनगर के होटल में देर शाम तक गीत, संगीत, नृत्य और उत्साह का माहौल बना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठ एडमिन अनिल शुक्ल के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद वरिष्ठ एडमिन शोएब कुरैशी ने एलसीडब्ल्यू के संस्थापक सुनील मिश्रा का विशेष संदेश पढ़कर सुनाया। अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व डीआईजी (विधि) डॉ. जी एन खन्ना थे। प्रधानाचार्या मंजीत कौर के नेतृत्व में गुरु नानक गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्राओं, शिक्षिकाओं के पंजाबी लोकगीत और गिद्दा की प्रस्तुति को खूब सराहा गया। अनन्या मदर, राहुल पांडेय, मधुमिता रक्षित के समूह नृत्य ने सबको झुमाया। इस दौरान विशिष्ट उपलब्धियों के लिए कई प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इनमें राष्ट्रपति भवन में पुस्तक सशक्त दिव्यांग का लोकार्पण कराने वाली अनीता सुधीर, बाल साहित्य में योगदान के लिए संजीव जायसवाल, मिसेज स्टाइल आइकन 2025 बनीं पूजा टंडन, और जी स्टूडियो में नई भूमिका में नियुक्त रश्मि मिश्रा शामिल रहीं। मंच संचालन रश्मि मिश्रा और राहुल पांडेय ने किया।

शबद कीर्तन से संगत को किया निहाल

लखनऊ, (संवाददाता)। ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब यहियागंज में सोमवार को वैसाखी का पर्व श्रद्धा, उल्लास के साथ मनाया गया। पावन अवसर पर गुरुद्वारा परिसर को विशेष लाइटों और पुष्पों से सजाया गया। गुरुद्वारा सचिव मनमोहन सिंह हैप्पी ने बताया कि डॉ. गुरमीत सिंह के संयोजन में सुबह पांच से शाम पांच बजे तक सजाए गए दीवान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हाजिरी लगाई। हुजूर साहिब से आए किशोर सिंह, दिल्ली से हरतीरथ सिंह सोढ़ी, और यूएसए से आए ज्ञानी भूपेंद्र सिंह ने कथा व शबद कीर्तन से संगत को सराबोर किया। जत्थेदार आशीष सिंह की अगुवाई में 80 श्रद्धालुओं ने अमृत संचार कर गुरमत मार्ग को अपनाया। इसके बाद गुरु का अटूट लंगर व मिष्ठान प्रसाद का वितरण हुआ। गुरुद्वारा प्रबंधन समिति ने बताया कि 18 अप्रैल को गुरु तेग बहादुर साहिब का प्रकाश पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा।

रामलीला विशेषांक का विमोचन

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय कला, संस्कृति और साहित्य को समर्पित त्रैमासिक पत्रिका कला वसुधा के रामलीला विशेषांक का विमोचन सोमवार को वृंदावन कॉलोनी स्थित भव्या एकेडमी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स के प्रथम स्थापना दिवस पर किया गया। इसमें देशभर के विद्वानों और कलाकारों की रामलीला पर आधारित शोधपरक एवं रचनात्मक सामग्री को स्थान दिया गया है। मुख्य अतिथि साहित्यकार डॉ. राम बहादुर सिंह, डॉ. सर्वेंद्र विक्रम सिंह, प्रधान संपादक अशोक बनर्जी, संपादिका उषा बनर्जी, वरिष्ठ साहित्यकार प्यारे मोहन चतुर्वेदी और चित्रकार प्रतिमा सिंह ने इसका विमोचन किया। वक्ताओं ने विशेषांक की विषयवस्तु, सांस्कृतिक महत्व व रामलीला की परंपरा पर विचार रखे। डॉ. राम बहादुर सिंह ने रामलीला को भारतीय जीवन दर्शन की जीवंत प्रस्तुति बताया। डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम सिंह ने इसके सामाजिक प्रभावों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। अवसर पर वरिष्ठ रंगकर्मी सुनील चतुर्वेदी, नीरज कुशवाहा आदि थे।

10 वर्षों में तीन गुना बढ़ गए अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थी

लखनऊ, (संवाददाता)। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 बहुभाषिकता के साथ भारतीय भाषाओं को बढ़ाने की वकालत करती है। इसके लिए प्रयास भी हो रहे हैं, लेकिन स्नातक स्तर पर सिर्फ अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थी बढ़ते जा रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय में मूल्यांकन प्रभारी डॉ. अनित्य गौरव के मुताबिक परिसर में अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की संख्या अब 60 फीसदी तक पहुंच चुकी है। 10 साल पहले यह आंकड़ा महज 20 फीसदी था। लविवि के संबद्ध कॉलेज लखनऊ के साथ सीतापुर, लखीमपुर, हरदोई और रायबरेली में हैं। हालांकि, इन जनपदों में अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थी 10 फीसदी के ही करीब हैं। बीए, बीएससी, बीकॉम में अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की संख्या 60 फीसदी के करीब है। बीबीए, एलएलबी ऑनर्स और बीफॉर्मा जैसे पाठ्यक्रमों में यह आंकड़ा 90 फीसदी के पार पहुंच जाता है। विद्यार्थियों के पास अंग्रेजी भाषा में उत्तर लिखना मजबूरी भी है। अब भी कई विषयों में हिंदी भाषा की उत्कृष्ट पुस्तकें नहीं हैं। वहीं, अंग्रेजी माध्यम की किताबों की पर्याप्त संख्या है। विद्यार्थी इन किताबों से पढ़ाई करते हैं, इस वजह से भी उत्तर अंग्रेजी में लिखते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पीएम श्री विद्यालय पर भव्य वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । पीएम श्री विद्यालय पर वहां के प्रधानाध्यापक रामपाल व समस्त शिक्षकों के सहयोग से वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय विधायक विधानसभा बादलपुर श्री रमेश चंद्र मिश्रा जी व विशिष्ट अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल के कर कमलो से नवनिर्मित

वाल वाटिका भवन का उद्घाटन किया गया। वद्यालय के बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। माननीय मुख्य अतिथि जी द्वारा विद्यालय में शिक्षकों द्वारा शैक्षिक गुणवत्ता हेतु किए जा रहे प्रयास व मिशन प्रेरणा तथा कायाकल्प के तहत विद्यालय में किया जा रहे कार्यों की प्रशंसा की गई साथ ही जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा शिक्षकों को अपनी सुरक्षा पर विशेष ध्यान देते हुए समय से विद्यालय में पहुंचाने हेतु अपील की गई। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी रमेश चंद्र पटेल द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार प्रकट किया गया इस अवसर पर अवकाश प्राप्त शिक्षक अशोक कुमार सिंह, रमाकांत, राधेश्याम, लालमणि यादव, केशव, चंद्रप्रकाश आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक अध्यक्ष श्री उमा नाथ यादव ने किया।

हाईटेंशन लाइन की चिंगारी बनी तबाही, तीन बीघा गेहूं जलकर राख

लखनऊ, (संवाददाता)। घटना रहिमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम ससपन की है। बराही देवी मंदिर के पास से गुजरती हाइटेंशन लाइन से निकली चिंगारी सीधे खेतों में गिरी। जिससे गिरीश सिंह, अशोक सिंह समेत कई किसानों की लगभग तीन बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। घटना के समय खेतों के पास मौजूद ग्रामीण आग की लपटें देख दौड़े, लेकिन तब तक आग खेत में फैल चुकी थी। बाल्टियों और ट्रैक्टर–टैंकर की मदद से ग्रामीणों ने करीब डेढ़ घंटे बाद आग पर काबू पाया। ग्रामीणों के अनुसार लगातार फोन के बाद भी दमकल की गाड़ी नहीं पहुंची। इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। कुछ ग्रामीणों ने कहा कि समय पर आग नहीं बुझती तो पास की 13 बीघा फसल भी चपेट में आ सकती थी।

संविधान निर्माता ही नहीं युग प्रवर्तक थे बाबा साहब

लखनऊ, (संवाददाता)। भारत रत्न बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की 134वीं जयंती पर सोमवार को राजधानी में जगह–जगह कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें याद किया गया। इस दौरान अंबेडकर उद्यान परिसर गोमतीनगर में मेले का आयोजन किया गया। जागरूकता रैली के साथ भंडारे भी लगाए गए।

जुलूस के दौरान उपद्रव की थी तैयारी... नहीं दी गई अनुमति, ढकी रही बाबा साहब की प्रतिमा

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बख्शी का तालाब के खंतारी गांव में सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने के मामले में सोमवार को पुलिस प्रशासन का अलर्ट रहा। प्रतिमा ढकी रही जिसे खोलने या माल्यार्पण की अनुमति नहीं थी। ग्रामीण आंबेडकर जयंती पर गांव से पहाड़पुर तक जुलूस निकालने की तैयारी में थे। जुलूस के दौरान उपद्रव की साजिश के खुफिया इनपुट के कारण ग्रामीणों को इसकी अनुमति नहीं दी गई। सोमवार को भी पूरा गांव छावनी में तब्दील रहा। गांव के बाहर और प्रतिमा के चारों तरफ पीएसी, आरएएफ, पुलिस,

महिला पुलिस बल की तैनाती रही। बवाल की आशंका पर वज्र वाहन भी तैनात किए गए थे। उल्लेखनीय है कि खंतारी गांव के बाहर बाजार में बिना परमिशन के प्रतिमा स्थापित कर दी गई थी। 12 अप्रैल को पुलिस प्रतिमा हटाने गई थी, जिसको लेकर बवाल हो गया था। ग्रामीणों ने पुलिस पर हमला कर दिया था। पथराव में पांच पुलिसकर्मी, एक एसडीएम समेत 16 लोग घायल हो गए थे। सूत्रों ने बताया कि खुफिया एजेंसियों ने इनपुट दिया था कि खंतारी के ग्रामीणों के जुलूस में कुछ अराजक तत्व माहौल खराब करने की तैयारी में हैं।

इस पर एडीसीपी उत्तरी जितेंद्र दुबे, एसीपी बीकेटी अमोल मुरकुट की अगुवाई में पुलिस बल ने पैदल मार्च किया। ग्रामीणों को समझाते हुए जुलूस निकालने से रोका। डीसीपी ने बताया कि इलाके में पूरी तरह शांति है। शिवपुरी गांव में भी पुलिस तैनात की गई है। भाकपा माले के जिला प्रभारी रमेश सिंह सेंगर की अगुवाई में पार्टी के अंवेषण दल में शामिल राजीव गुप्ता, कमला गौतम, छोटे लाल रावत, मधुसूदन मगन, शांतम निधि और दिग्विजय सिंह गांव का दौरा कर मामले की जानकारी हासिल की। पुलिस पर जातिगत भेदभाव, महिलाओं की पिटाई और अभद्रता का आरोप लगाया है।

लोकबंधु अस्पताल में आग, 200 मरीजों को शिफ्ट कराने में लगा डेढ़ घंटा, एक मरीज की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। आशियाना स्थित लोकबंधु अस्पताल पिछले कुछ साल में तेजी से विकसित हुआ है। यहां वेंटिलेटर के साथ ही कई आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसकी वजह से यहां ओपीडी के साथ ही भर्ती मरीजों की संख्या भी काफी रहती है। सोमवार रात आग लगने के समय यहां दो सौ से ज्यादा मरीज भर्ती थे। इनमें से कुछ काफी गंभीर भी थे। आग लगने के बाद इन मरीजों तीमारदारों की हालत खराब हो गई। जान बचाने के लिए भर्ती हुए मरीज आग लगने के बाद जान बचाने की कोशिश करते नजर आए। अस्पताल में पिछले 20 दिन से भर्ती बाराविरवा निवासी नीलम गुप्ता के पति कुलदीप ने बताया कि उनकी पत्नी हड्डी विभाग में भर्ती थीं। पत्नी के कूल्हे का ऑपरेशन हुआ था। पहले कुछ चहल पहल सुनाई दी। जानकारी करने पर पता चला कि आग गई है। ऐसे में पत्नी को किसी तरह शिफ्ट करवा पाए। घबड़ाहट में पत्नी कहने लगीं कि आप निकलो। हालांकि उनको निकालने में सफलता मिल गई। मेडिसिन वार्ड में भर्ती राजवती आहूजा आग के बाद बाहर निकलीं तो कहने लगीं कि यहां इलाज नहीं कराना है। हड्डी वार्ड में भर्ती विनोद गुप्ता ने बताया कि दो महीने से हड्डी वार्ड में भर्ती हैं। अब देखते है कहां जाएं।

मायावती ने बाबा साहब को किया याद, बोलीं– एकता और वोटों से हासिल करें सत्ता की मास्टर चाबी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को आंबेडकर जयंती पर बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बाबा साहब को श्रद्धासुमन अर्पित किया। इसके बाद कार्यकर्ताओं को संदेश जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के जानमाल व मजहब की सुरक्षा की सांविधानिक गारंटी पर खतरा बढ़ा है। इससे देश में विकास का माहौल बनाने का नहीं, बल्कि उसको बिगाड़ने वाला तनावपूर्ण माहौल है। कुछ लोगों को छोड़ सभी त्रस्त हैं। मायावती ने कहा कि बहुजन समाज को जातिवादी व धन्नासेठ समर्थक विरोधी पार्टियों की साजिश व हवाई दावों और वादों से बचकर चुनावों में अपना खुद उद्धार करने योग्य बनना होगा। बहुजनों की आपसी एकता व वोटों के जरिये सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करने के लिए विरोधियों के सभी हथकंडों को भी विफल करना होगा। उन्होंने सभी सरकारों से जातिवादी व संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति त्यागने को कहा। आरोप लगाया कि दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों व अन्य उपेक्षितों के सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक हालात कांग्रेस की तरह भाजपा शासनकाल में भी लगातार बदतर हैं। अब तो इन वर्गों के आरक्षण के सांविधानिक अधिकार पर भी कुठाराघात होने से रोजगार का अभाव होता जा रहा है। इन वर्गों का हर स्तर पर दमन जारी है तथा जातिवादी पार्टियों के संरक्षण में स्वार्थी तत्वों का ही बोलबाला है। लखनऊ और नोएडा में आंबेडकर जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों में बसपा समर्थक अपने परिवार के साथ शामिल हुए। लखनऊ मंडल के लोगों ने आंबेडकर स्मारक स्थल और पश्चिमी यूपी के मेरठ मंडल के लोगों ने नोएडा स्थित राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल में उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रदेश के बाकी 16 मंडलों में पार्टी ने जिलास्तर पर विचार गोष्ठियों का आयोजन किया।

प्रेमिका से मिलने गए युवक का गुप्तांग काटने का प्रयास

गोरखपुर (मेडिकल कॉलेज)

गोरखपुर ब्यूरो चीफ गुलरिहा में मंगलवार की रात एक 25 वर्षीय युवक की प्रेमिका से मिलने पहुंचा,आपत्तिजनक हालत में देख प्रेमिका के घरवाले युवक का गुप्तांग सेविंग ब्लेड से काटने का प्रयास किया। जिसमें युवक का गुप्तांग एक चौथाई कट गया। घायल युवक का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। बताया जा रहा है साजिश के तहत युवक को पहले घर में बुलाया गया और फिर घटना को अंजाम देने की कोशिश की गई। गुलरिहा पुलिस मामले की जांच कर रही है। क्षेत्र के एक 25 वर्षीय युवक का प्रेम संबंध गांव की एक बिरादरी के युवती से पिछले पांच वर्षों से चल रहा था। युवक अक्सर छुपकर प्रेमिका से मिलने उसके घर जाता था। जब इसकी भनक युवती के घर वालों को लगी तो युवक को समझाने का प्रयास किए। बताया जा रहा है कि बात नहीं बनी तो युवती का भाई कई दिनों से युवक को सबक सिखाने की योजना बना रहा था। आरोप है कि मंगलवार की रात ने युवती घर वालों के दबाव में युवक को फोन कर मिलने के लिए बुलाई थी। युवक जब आपत्तिजनक हालत में हुआ तो युवती के घरवाले सेविंग ब्लेड से युवक का गुप्तांग काट दिए। एक चौथाई हिस्सा कटा। रात में घायल युवक को मेडिकल कॉलेज के ट्रामा सेंटर इलाज के लिए भेजा गया। जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। युवती ने छेड़खानी का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है कि रात करीब डेढ़ बजे घर के सामने रहने वाला युवक छत के रास्ते कमरे में घुसकर जबरजस्ती करने लगा,बचाव में ब्लेड से हमला कर दी। वही घायल युवक के पिता का आरोप है कि मंगलवार की रात भूसा रखकर बेटा घर आ रहा था। जिसे लड़की के घरवाले मारते पीटते हुए अपने घर में ले गए और हाथ पाव बांधकर गुप्तांग काट दिए। गुलरिहा पुलिस दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

महिला एसओ आशा शुक्ला व उनकी टीम द्वारा मिशन शक्ति फेज - 5 के तहत लगातार लोगों को किया जा रहा जागरूक

अयोध्या।बुधवार को मिशन शक्ति फेस 5 अभियान के तहत महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला के नेतृत्व में उनकी टीम के सदस्यों द्वारा अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन, रोडवेज स्टेशन के अलावा अन्य प्रमुख चौराहा तथा स्कूल कॉलेज में महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने महिलाओं तथा छात्राओं से कहा कि जब आप कभी मुसीबत में पड़े तो घबराएं नहीं बल्कि बिना डरे हुए घटनास्थल की सूचना स्थानीय थाना पुलिस चौकी तथा महिला थाना पुलिस कर्मियों को दें। ध्यान रहे सूचना देते समय किसी भी तरह की घबराहट ना हो।जब तक पुलिस आपके पास ना पहुंच जाए तब तक आप सामने वाले अराजक तत्व को हावी न होने दे बल्कि इसका कड़ा मुकाबला करें। इस मौके पर इस अभियान में शामिल पुलिस कर्मियों ने महिलाओं बालिकाओं तथा रेल यात्रियों के साथ–साथ अन्य लोगों को जागरूक करते समय पंपलेट के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया।वही कैंट रेलवे स्टेशन तथा रोडवेज बस स्टैंड पर बैठे यात्रियों कोबी पंपलेट के माध्यम से शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत कराया।शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया गया और महिला अपराध संबंधित अपराध के बारे में अवगत कराया गया व उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090,यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया। इस मौके पर महिला उपनिरीक्षक श्वेता राठौर,सोनी के अलावा महिला कांस्टेबल रंगीता साहनी,शशिलता,रितु,रिचा,लक्ष्मी मौजूद रही।

विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ हुई बैठक

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के दिशा निर्देशन में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई संजीव शुक्ला की अनुमति से 26

अप्रैल 2025 को विद्युत अधिनियम 2003 के अंतर्गत लम्बित शमनीय दाण्डिक वादों हेतु आयोजित विशेष लोक अदालत में अधिक से अधिक विद्युत वादों के निस्तारण कराए जाने हेतु जनपद के विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ अपर जिला जज ई0सी0 एक्ट श्री योगेंद्र चौहान, अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री भूपेन्द्र प्रताप व अपर जिला जज/नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत श्री यशपाल की अध्यक्षता में बैठक की गई। अपर जिला जज द्वारा विद्युत विभाग के अधिकारियों को विशेष लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण कराये जाने के निर्देश दिए जिससे विशेष लोक अदालत को सफल बनाया जा सके। उक्त बैठक में विद्युत विभाग से सूर्य कुमार, विनोद सक्सेना, सुरेश विश्ववकर्मा, कुलदीप सिंह, अजय कुमार कन्नौजिया व अधिवक्ता के0के0 सिंह उपस्थित रहे।

आईजीआरएस निस्तारण में लापरवाही पर खंड विकास अधिकारी और ग्राम विकास अधिकारी को स्पष्टीकरण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र द्वारा अधिकारियों को लगातार निर्देशित किया जा रहा है कि आईजीआरएस पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का स्थलीय निरीक्षण कर, जांच कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराना सुनिश्चित करें तथा शिकायतकर्ताओं से फीडबैक अवश्य लें। इसमें लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में आईजीआरएस निस्तारण में लापरवाही पर जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी और ग्राम विकास अधिकारी पर कार्रवाई की। 15 अप्रैल 2025 को आई०जी०आर०एस० पोर्टल पर अनुमोदन हेतु जिलाधिकारी के लागिन पर प्राप्त निस्तारण आख्या का परीक्षण किया गया जिसमें श्रीमती जोहरा पत्नी स्व० मेहदी, निवासी ग्राम विसांवा, थाना सिकरारा, जौनपुर के चकरोड बनाये जाने की शिकायत पर ग्राम पंचायत अधिकारी प्रेम नारायण,द्वारा आवास की जॉच रिपोर्ट संलग्न की गयी तथा खण्ड विकास अधिकारी, सिकरारा, सर्वेश मोहन द्वारा निस्तारण आख्या का बिना अवलोकन किये ही सरसरी तौर पर अपना हस्ताक्षर कर दिया गया है, जो जिलाधिकारी लागिन पर स्पेशल क्लोज किये जाने हेतु प्राप्त हुआ है। उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि विकास खण्ड सिकरारा में प्राप्त शिकायतों का सरसरी तौर पर ही निस्तारण कर दिया जा रहा है। उपरोक्त के अवलोकनोपरांत जिलाधिकारी ने कहा कि उच्चाधिकारी तथा मा० मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त निर्देशों की जान बूझकर अवहेलना की जा रही है, जो अत्यन्त ही आपत्तिजनक है। आईजीआरएस निस्तारण में लापरवाही बरतने पर ग्राम पंचायत अधिकारी प्रेम नारायण, एवं खण्ड विकास अधिकारी, सिकरारा सर्वेश मोहन, को स्पष्टीकरण तीन दिवस के अन्दर उपलब्ध कराये जाने का निर्देश दिया गया और प्रतिकूल प्रविष्टि प्रदान करते हुये एक वेतन वृद्धि स्थायी रुप से रोकने की कार्यवाही किए जाने की चेतावनी दी गई। समय से स्पष्टीकरण प्राप्त नही होने पर संबंधित के विरुद्व एक पक्षीय रुप से कार्यवाही कर दी जायेगी।

प्रार्थी की शिकायत पर जॉइंट मजिस्ट्रेट व नगर कोतवाल के मौजूदगी मे पैमाइश की कवायद हुई शुरू

अयोध्या।कोतवाली नगर क्षेत्र के साहबगंज पुलिस चौकी के पहाड़गंज निवासी पीड़ित प्रेमचंद ने वर्तमान लेखपाल के साथ राजस्व निरीक्षक पर आरोप लगाया है कि उसके नक्शे में से जमीन से जबरन नाली निकाला जा रहा है।जो गलत है।जिसकी शिकायत प्रार्थना पत्र के माध्यम से पीड़ित प्रेमचंद ने आयुक्त कार्यालय में किया था।जिसे गंभीरता से लेते हुए आयुक्त ने इस संबंध में जिलाधिकारी के माध्यम से पुलिस की मौजूदगी में राजस्व विभाग के अधिकारियों जांच करने के निर्देश दिए थे।इसी निर्देश के तहत बुधवार को पर्याप्त सुरक्षा के बीच संयुक्त मजिस्ट्रेट ने इसकी पैमाइश कराने में लग रहे। आयुक्त कार्यालय में दिए गए प्रार्थना पत्र के माध्यम से पीड़ित ने शिकायत किया कि गाटा संख्या– 62 मौजा पहाड़गंज बीएनपी, तहसील सदर में स्थित है।इस संबंध में पीड़ित ने बताया कि जिस पर लेखपाल और क्षेत्रीय पार्षद ने जनहित में देखकर नक्शे में दर्ज 54 चकमार्ग 55 नंबर नाली का निर्माण पहले ही नक्शे के विपरीत करा दिया है।लेकिन अब वर्तमान लेखपाल और कानून गो के मिली भगत से नक्शे में स्थित चकमार्ग नापकर प्रार्थी के रकबे का नुकसान करवाना चाहते है।बताया कि जब कि 62 का रकड़ पदमी कम होता है।जिसमें नंबर में निर्मित चकमार्ग का प्रयोग जनहित में हो।मंडलायुक्त कार्यालय दिये गये प्रार्थना पत्र के माध्यम से पीड़ित ने सक्षम अधिकारी द्वारा जांच करवाकर उचित कार्यवाही करने की मांग किया था।इस संबंध आयुक्त कार्यालय जिलाधिकारी के माध्यम से राजस्व विभाग के टीम से पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी में इस समस्या को हल करने का निर्देश दिया था।किसी के तहत बुधवार को संयुक्त मजिस्ट्रेट ने नगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अश्वनी पांडे से पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों के बीच इसकी पैमाइश करने में जुटे रहे।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पांडे ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में है,परंतु राजस्व विभाग से जुड़ा हुआ है।जिसकी पैमाइश संयुक्त मजिस्ट्रेट के मौजूदगी में हो रही है।

21 वाहनों का चालान 05 वाहनों को थानों में किया बन्द अन्य 85 ई–रिक्शा चालकों चेतावनी दी गयी

जौनपुर। अवैध रूप से संचालित ई–रिक्शा वाहनों के विरुद्ध 01 अप्रैल 2025 से 30 अप्रैल 2025 तक परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग के द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर कार्यवाही किये जाने के निर्देश के अनुपालन में 15 अप्रैल को जनपद जौनपुर में अवैध, अनधिकृत, बिना वैध प्रपत्र संचालन, अवयस्कों द्वारा संचालन आदि अभियोगों के प्रति परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से प्रवर्तन कार्यवाही संपादित की गयी। सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) वाराणसी मनोज कुमार वर्मा जी के नेतृत्व में जनपद में हौज टोल प्लाजा, सिपाह चौराहा, लाइन बाजार, शाही किला एवं ओलंदगंज आदि स्थानों पर प्रवर्तन कार्यवाही की गयी। अभियान के अंतर्गत सायं 05 बजे तक 21 वाहनों का चालान किया गया एवं 05 वाहनों को थानों में बन्द किया गया एवं अन्य 85 ई–रिक्शा चालकों चेतावनी दी गयी। अवैध एवं अनधिकृत ई–रिक्शा एवं ऑटो रिक्शा के प्रति अभियानात्मक कार्यवाही जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) वाराणसी के नेतृत्व में सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सत्येन्द्र कुमार सिंह, यातायात निरीक्षक के साथ प्रवर्तन कार्यवाही किया गया। प्रवर्तन कार्यवाही में प्रमोद कुमार, यात्रीभ्रमालक अधिकारी, सुशील मिश्रा, यातायात निरीक्षक एवं सुनील कुमार तिवारी, सहायक यातायात निरीक्षक एवं परिवहन विभाग तथा यातायात पुलिस के अन्य कार्मिक शामिल थे। ई–रिक्शा/ऑटो रिक्शा चालकों से अपील है कि वे वाहन के समस्त प्रपत्रों को अद्यतन करा लें। वाहन स्वामी किसी भी स्थिति में अवयस्कों को ई–रिक्शा एवं ऑटो रिक्शा चलाने की अनुमति न दें।

लखनऊ व्यापार मण्डल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं नाका व्यापार मण्डल के अध्यक्ष सतपाल सिंह मीत जी के आकस्मिक निधन पर उन्हें दी भावभीनी श्रद्धांजलि

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ व्यापार मण्डल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं नाका व्यापार मण्डल के अध्यक्ष सतपाल

सिंह मीत जी का कल दिनांक 15.04.2025 को आकस्मिक निधन हो गया था जिनका आज लखनऊ व्यापार मण्डल परिवार द्वारा उनके निज निवास पर पहुँच कर अश्रुपूर्ण भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी।

लखनऊ व्यापार मण्डल के अध्यक्ष अमर नाथ मिश्र ने बताया कि समाज की अपूर्णीय क्षति हुई है इस क्षति को कभी भी पूरा नहीं किया जा सकता है। पूरा समाज इसको कभी भूल नहीं पायेगा।

वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा ने वाहेगुरु जी से प्रार्थना की दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें एवं परिवार को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। नाका का व्यापारी कभी इस क्षति को भूला नहीं पायेगा।

चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल एवं अनिल विरमानी व्यापारी समाज हम सबने एक अभिन्न सहयोग सदा के लिए खो दिया जिसकी पूर्ति सम्भव नहीं है ईश्वर उनकी पुण्य आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे।

कोषाध्यक्ष देवेन्द्र गुप्ता बहुत दुखद समाचार भगवान से प्रार्थना है कि वह अपने चरणों में स्थान प्रदान करें

महामंत्री अनुराग मिश्र ने कहा कि बहुत ही सज्जन व्यक्ति थे हम सबके लिए एक अपूरणीय क्षति है।

अभिषेक खरे ने कहा कि हम सबने एक अभिन्न सहयोगी सदा के लिए खो दिया जिसकी पूर्ति सम्भव नहीं है। ईश्वर उनकी पुण्य आत्मा को अपने चरणों में स्थान प्रदान करें।

महामंत्री उमेश शर्मा ने कहा कि अत्यंत दुःखद समाचार भावपूर्ण श्रद्धांजलि, व्यापारी समाज इसे कभी भुला नहीं पायेगा। परमपिता परमेश्वर अपने धाम में उनको स्थान दे।

विनोद अग्रवाल, सुहैल हैदर अल्वी, जितेन्द्र सिंह चौहान भाई सतपाल सिंह मीत जी सबके साथ खड़े रहने वाले मृदुभाषी सबके प्रिय इतनी जल्दी हम लोगों के बीच से विदा हो जाएंगे यह विश्वास नहीं हो रहा है प्रभु अपने चरणों में स्थान दें।

पार्थिव शरीर को अध्यक्ष जी ने व्यापार मंडल का झण्डा चढ़ा कर एवम् पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी इसी क्रम

में राजेन्द्र कुमार अग्रवाल अनिल विरमानी अमरनाथ मिश्र पवन मनोचा देवेन्द्र गुप्ता इन्द्रजीत सिंह अनुराग मिश्र अभिषेक खरे, उमेश शर्मा जितेन्द्र सिंह चौहान सुहैल हैदर अल्वी, राजकुमार बत्रा मनीष गुप्ता सुमित गुप्ता विशाल चौरसिया के साथ लखनऊ व्यापार मण्डल परिवार से कई व्यापारियो ने उपस्थित होकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

एचसीएल फाउंडेशन ने अपने प्रमुख कार्यक्रम समुदाय के माध्यम से उत्तर प्रदेश में 2.9 मिलियन लोगों के जीवन पर एक दशक के परिवर्तनकारी प्रभाव का जश्न मनाया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

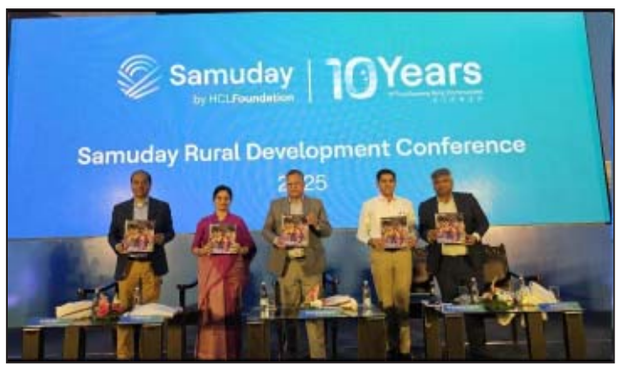

लखनऊ।एचसीएलफाउंडेशन ने अपने प्रमुख कार्यक्रम समुदाय के माध्यम से उत्तर प्रदेश में 2.9 मिलियन लोगों के जीवन पर एक दशक के परिवर्तनकारी प्रभाव का जश्न मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव, आईएएस मनोज कुमार सिंह उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया, जिसमें अन्य सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों के साथ मुख्य सचिव को भी दिखाया गया। फोटो में इस महत्वपूर्ण क्षण को कैद किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव और विशिष्ट अतिथियों को दिखाया गया है, जिनमें जीएस प्रियदर्शी, आईएएस, ग्रामीण विकास आयुक्त, उत्तर प्रदेश सरकार, डॉ. निधि पुंढीर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष और एचसीएलफाउंडेशन में ग्लोबल सीएसआर हेड, और आलोक वर्मा, परियोजना निदेशक – समुदाय, एचसीएलफाउंडेशन शामिल हैं, जो स्मारक पुस्तक का अनावरण करते हैं। यह कार्यक्रम पिछले दस वर्षों में समुदाय द्वारा लाई गई उल्लेखनीय उपलब्धियों और सकारात्मक बदलावों को रेखांकित करता है।

नवागत थानाध्यक्ष कुमारगंज के रूप मे ओम प्रकाश ने ग्रहण किया कार्यभार

अयोध्या।क्षेत्र को अपराध मुक्त करना तथा फरियादियों को त्वरित न्याय प्रदान करना नवागत कुमारगंज थानाध्यक्ष ओमप्रकाश की प्रथम प्राथमिकता है।उन्होंने बताया कि उनका प्रयास ही रहेगा थाने पर आने वाले सभी फरियादियों की समस्याओं का हल थाना परिसर में ही हो जाए।थाना परिसर मे फरियाद लाने वाले फरियादी जिसमे खासकर महिला, बुजुर्ग,दिव्यांग की समस्याओ का त्वरित समाधान होगा।जिससे दूर दराज से किसी भी फरियादी को अपनी समस्या लेकर जिला मुख्यालय पर ना आना पड़े।वहां पर कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने बताया कि शासन के मंशानुरूप चलाई जा रही अति महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल मिशन शक्ति फेज –5 के तहत क्षेत्र में पोस्टर बैनर के अलावा स्कूल कॉलेज में जाकर महिलाओं तथा बालिकाओं को सरकार द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं के अलावा सुरक्षात्मक उपाय भी बताए जाएंगे। वहीं उन्होंने बताया कि क्षेत्र में किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाया जाएगा साथ ही साथ जो भी अराजक तत्व या आपराधिक किस्म के लोग लिप्त होते हुए पाए गये तो पुलिस उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही करेगी।इसके अलावा अवैध शराब तस्करों के खिलाफ भी अभियान चलायेंगे।बताते चले कि कैंट थाना मे वरिष्ठ उप निरीक्षक रहे ओम प्रकाश की तैनाती एसएसपी राज करन नैय्यर ने कुमारगंज थानाध्यक्ष के रुप मे किया है।बताते चले कि बीस माह तक परगना थानाध्यक्ष के रुप मे तैनात रह चुके है।वही वहां पर इस पद पर रहे अमरजीत को अपराध शाखा भेजा।

वर्ल्ड लिवर डे पर लिवर डोनेशन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अपोलोमेडिक्स ने ट्रांसप्लांट से जुड़ी भ्रांतियों पर खुलकर की चर्चा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। वर्ल्ड लिवर डे के अवसर पर अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य लिवर डोनेशन और ट्रांसप्लांट से जुड़े मिथकों और डर को लेकर लोगों को जागरूक करना था। इस कार्यक्रम में लिवर ट्रांसप्लांट कराने वाले मरीजों और उनके डोनर्स ने भी हिस्सा लिया, जो ट्रांसप्लांट के बाद सामान्य जीवन जी रहे हैं और ऑर्गन डोनेशन के लिए एक प्रेरणास्रोत बने हैं। अपोलोमेडिक्स ने 2021 में लिवर ट्रांसप्लांट की शुरुआत की थी और तब से इस प्रक्रिया में लगातार सफलताएँ प्राप्त की हैं। अपोलोमेडिक्स ने उत्तर प्रदेश में पहला लिविंग डोनर लिवर ट्रांसप्लांट और पहला कैडेवरिक लिवर ट्रांसप्लांट करने की उपलब्धि हासिल कर चुका है। अपोलोमेडिक्स के सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों ने बताया कि लिवर एक ऐसा अंग है, जो ट्रांसप्लांट के बाद कुछ ही हफ्तों में अपना आकार पूरी तरह से पुनः प्राप्त कर लेता है। इससे यह भ्रम भी समाप्त होता है कि डोनर की सेहत पर इसका कोई गंभीर असर पड़ता है। डॉ. आशीष मिश्रा, सीनियर कंसल्टेंट एवं हेड द्र लिवर ट्रांसप्लांट, एचपीबी एवं जीआई सर्जरी, अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने बताया, ष्लिवर एक ऐसा अंग है जिसे शरीर के बाहर डोनर से रिसीपिएंट तक ट्रांसप्लांट किया जा सकता है और यह बहुत जल्दी ठीक हो जाता है। ट्रांसप्लांट के बाद डोनर को कोई गंभीर समस्या नहीं होती। यह प्रक्रिया पूरी तरह से सुरक्षित और प्रभावी है। लिवर ट्रांसप्लांट के बाद मरीजों को सामान्य जीवन में लौटने में लगभग 3 महीने का समय लगता है और डोनर को केवल 1 महीने के भीतर अपनी सामान्य गतिविधियाँ फिर से शुरू करने का अवसर मिलता है। डॉ. आशीष मिश्रा ने लिवर ट्रांसप्लांट की स्थिति पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, ष्देशभर में ऑर्गन डोनेशन की स्थिति अभी भी बेहद चिंताजनक है। भारत में हर साल 25,000 से 30,000 मरीजों को लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है, लेकिन केवल 3,000 को ही यह सुविधा मिल पाती है। और इनमें भी केवल 10 प्रतिशत ट्रांसप्लांट कैडेवरिक डोनर से संभव हो पाते हैं। यह गंभीर अंगदान की कमी को दर्शाता है, जिसे दूर करने के लिए समाज में व्यापक जागरूकता और सहभागिता की आवश्यकता है। उन्होंने मृतक अंगदाता (कैडेवरिक डोनेशन) कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए सरकार और प्राइवेट अस्पतालों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा, ष्उत्तर प्रदेश, अन्य राज्यों की तुलना में अंगदान में काफी पीछे है। इस अंतर को कम करने के लिए जागरूकता बढ़ाने और अस्पतालों के बीच सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में इस तथ्य पर भी प्रकाश डाला गया कि भारत में अधिकांश अंगदान लिविंग डोनर्स द्वारा किया जाता है, और खासकर महिलाएँ, जैसे पत्नियाँ और बेटियाँ, ट्रांसप्लांट के लिए प्रमुख डोनर बनती हैं। यह भी बताया गया कि अंगदान के लिए जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि लोग इस प्रक्रिया को लेकर अपने डर और संकोच को छोड़ सकें। साथ ही, एक उल्लेखनीय तथ्य यह भी निकलकर सामने आया कि लिवर ट्रांसप्लांट के लिए दिल्ली, मुंबई या हैदराबाद जैसे अन्य शहरों में जाने पर मरीजों को अतिरिक्त खर्चों का सामना करना पड़ता है। ट्रांसप्लांट के बाद मरीज को 1.5 से 2 महीने तक उस शहर में रहना पड़ता है, जिससे कुल खर्च बढ़ जाता है। इसके विपरीत, अपोलोमेडिक्स में लखनऊ में यह प्रक्रिया किफायती है और यहां मरीज ऐसे अतिरिक्त खर्चों के बोझ से मुक्त रहते हैं। डॉ. मयंक सोमानी, एमडी एंड सीईओ, अपोलोमेडिक्स ने बताया, ष्हमारे अस्पताल में अब तक 25 से अधिक लिवर ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किए जा चुके हैं, जिनमें से 23 लिविंग डोनर से और 2 कैडेवरिक डोनर से हुए हैं। यह उपलब्धि हमारी टीम की विशेषज्ञता, अत्याधुनिक मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर और मरीजों की सेवा के प्रति हमारे समर्पण का प्रमाण है। डॉ. मयंक सोमानी ने कहा, ष्अंगदान को बढ़ावा देने के लिए हमें समाज में मानसिकता बदलने की आवश्यकता है। अंगदान से जुड़े मिथकों को दूर करना बहुत जरूरी है,।

महिला उत्पीड़न शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता पूर्वक समय से करें - एकता सिंह

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) आज सदस्य राज्य महिला आयोग एकता सिंह जी कि अध्यक्षता में डाक बगला में जन सुनवाई आयोजित हुई, जनसुनवाई में उन्होंने ने कहा कि महिला उत्पीड़न, घरेलू हिंसा व दहेज उत्पीड़न से संबंधित विभिन्न तरह समस्याओं की सुनवाई के दौरान वन विभाग में दरोगा वह अपनी पत्नी को मारने की धमकी देता है उसको आज ही मौके पर बुलवाया गया है। जन सुनवाई करते समय सामूहिक विवाह किया था उसके बाद लड़की को विदा नहीं किया और लड़की ने जाने से मना कर दिया है उसका पति नशा करता है, इस संबंध में मा0 अध्यक्ष ने कहा कि तुम्हाई पति को बुलाकर प्रकरण का निस्तारण कराया जायेगा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।